शुक्रवार, 27 मार्च 2026

मौसम

तापमान	24 – 36
आर्द्रता	68%
सूर्योदय: 05:36	सूर्यास्त: 17:50

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, चैत्र शुक्लपक्ष नवमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

पूर्णता की अधिष्ठात्री माता सिद्धिदात्री पृष्ठ 2

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : उम्मीद रास्ता दिखाती है और मेहनत मंजिल तक पहुंचाती है।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

देश में 60 दिन का तेल भंडार, एक महीने के लिए एलपीजी आपूर्ति की पक्की व्यवस्था: सरकार

नयी दिल्ली : सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में लगभग 60 दिन का तेल भंडार है और एक महीने की एलपीजी आपूर्ति की व्यवस्था कर ली गई है। सरकार ने कहा कि पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार ने कमी की खबरों को 'जानबूझकर फैलाया गया 'गलत सूचना अभियान' बताया, जिसका उद्देश्य लोगों में घबराहट पैदा करना और खरीदारी को बढ़ावा देना है। पेट्रोल पंप और एलपीजी वितरकों के यहां घबराहट में खरीदारी और लंबी कतारों की खबरों के बीच, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार कच्चे तेल, ईंधन और एलपीजी के भंडार का विवरण जारी किया। इसका मकसद लोगों की घबराहट को दूर करना है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि देश भर के सभी पेट्रोल पंप पर पर्याप्त भंडार है और वे सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। पेट्रोल या डीजल की कोई राशनिंग नहीं की जा रही है। बयान के अनुसार, विशेषकर छोटे शहरों में कुछ पेट्रोल पंप को पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा 'कैश-एंड-कैरी' यानी नकद भुगतान प्रणाली लागू किए जाने के बाद ईंधन की आपूर्ति में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। पेट्रोल पंप को दी जाने वाली ऋण राशि को पहले की एक दिन की अनुमति से बढ़ाकर तीन दिन से अधिक करने के लिए कदम उठाए गए हैं, ताकि पंप मालिकों की कार्यशील पूंजी संबंधी समस्याओं के कारण किसी भी पंप पर पेट्रोल और डीजल की कमी न हो।

चीनी सीमा पर 29 नयी आईटीबीपी चौकियां स्थापित की गयीं: गृह मंत्रालय

नयी दिल्ली : भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने वर्ष 2020 से 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 29 नयी सीमा चौकियां स्थापित करके अपनी उपस्थिति मजबूत की है। गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आयी है।

ईरान ने भारत समेत पांच देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी

तेहरान/नयी दिल्ली : ईरान ने भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान एवं इराक जैसे "मित्र देशों" को वाणिज्यिक नौवहन के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने यह जानकारी दी। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा नौवहन मार्ग है जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) का परिवहन होता है।

इजराइल ने ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना के प्रमुख अलीरजा तंगसिरी को मार गिराने का दावा किया

यरूशलम : इजराइल ने बृहस्पतिवार को ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना के प्रमुख कमांडर अलीरजा तंगसिरी को मार गिराने का दावा किया। तंगसिरी होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की रणनीति की अगुवाई कर रहे थे। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक संक्षिप्त वीडियो संदेश में कहा कि इजराइल ईरान पर पूरी ताकत से हमला करना जारी रखे हुए है, जबकि इस्लामी गणराज्य और उसके लेबनानी सहयोगी हिज्बुल्ला ने इजराइल भर में कई हमले किए, जिससे लोगों को जान बचाने के लिए भागना पड़ा। नेतन्याहू ने कहा, ''कल रात हमने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर की नौसेना के कमांडर को मार गिराया। इस व्यक्ति के हाथ खून से सने थे, और वह होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के लिए भी जिम्मेदार था।'' उन्होंने कहा, ''हम ईरान के आतंकी शासन के ठिकानों पर पूरी ताकत से हमले करना जारी रखेंगे।''

संयुक्त अरब अमीरात में मिसाइलों के मलबे की चपेट में आने से एक भारतीय समेत दो लोगों की मौत

दुबई : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की हवाई रक्षा प्रणाली द्वारा रोकी गई मिसाइलों का मलबा बृहस्पतिवार को अबू धाबी की एक सड़क पर गिरा, जिसकी चपेट में आने से एक भारतीय समेत कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। अबू धाबी मीडिया कार्यालय ने बताया कि इस घटना में मारा गया दूसरा व्यक्ति पाकिस्तानी नागरिक है जबकि तीन अन्य घायलों में भी एक भारतीय शामिल है।

ममता ने टीएमसी-भाजपा के मुकाबले को बताया 'महाभारत जैसा युद्ध'

पश्चिम बर्दवान : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगामी विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच मुकाबले को महाभारत जैसा युद्ध बताया। टीएमसी प्रमुख ने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा और निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान विपक्ष के गढ़ों में मतदाताओं को निशाना बनाया। उन्होंने सभी पूरक मतदाता सूचियों को तुरंत प्रकाशित करने की मांग की और जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता देने का वादा किया। उन्होंने पश्चिम बर्दवान के पांडबेश्वर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि यह लड़ाई पांडवों और कौरवों के बीच के युद्ध जैसी है। भाजपा कौरवों की तरफ है और टीएमसी पांडवों की तरफ है। पार्टी उम्मीदवार नरेन्द्र नाथ चक्रवर्ती के लिए प्रचार करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि तार्किक विसंगतियों के नाम पर मतदाता सूची में लोगों के नाम जोड़े या हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाकी सूचियां को तुरंत प्रकाशित किया जाए।

खराब मौसम के कारण देरी से कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरा ममता बनर्जी का विमान

एक घंटे तक आसमान में घूमता रहा विमान, चुनाव प्रचार से लौट रहीं थीं मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पश्चिम बर्दवान जिले के अंडाल में चुनावी रैलियों में शामिल होने के बाद कोलकाता लौट रही थीं, तभी मौसम खराब हो गया और हवाई अड्डे पर विमान परिचालन प्रभावित होने लगा। मुख्यमंत्री एक चार्टर्ड विमान में यात्रा कर रही थीं जिसने अंडाल हवाई अड्डे से दोपहर लगभग 3.30 बजे उड़ान भरी और कोलकाता में उसे शाम लगभग 4 बजे उतरना था। सूत्रों ने बताया कि कोलकाता में अचानक भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण विमान समय पर नहीं उतर सका और उसे एक घंटे से अधिक समय तक आकाश में चक्कर लगाने पड़े। अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम के कारण हवाईअड्डे पर विमान परिचालन लगभग 20 मिनट के लिए अस्थायी रूप से स्थगित करना पड़ा। अधिकारियों के मुताबिक, मुख्यमंत्री का विमान मौसम में सुधार होने के बाद अंततः शाम 5.19 बजे सुरक्षित उतर गया।

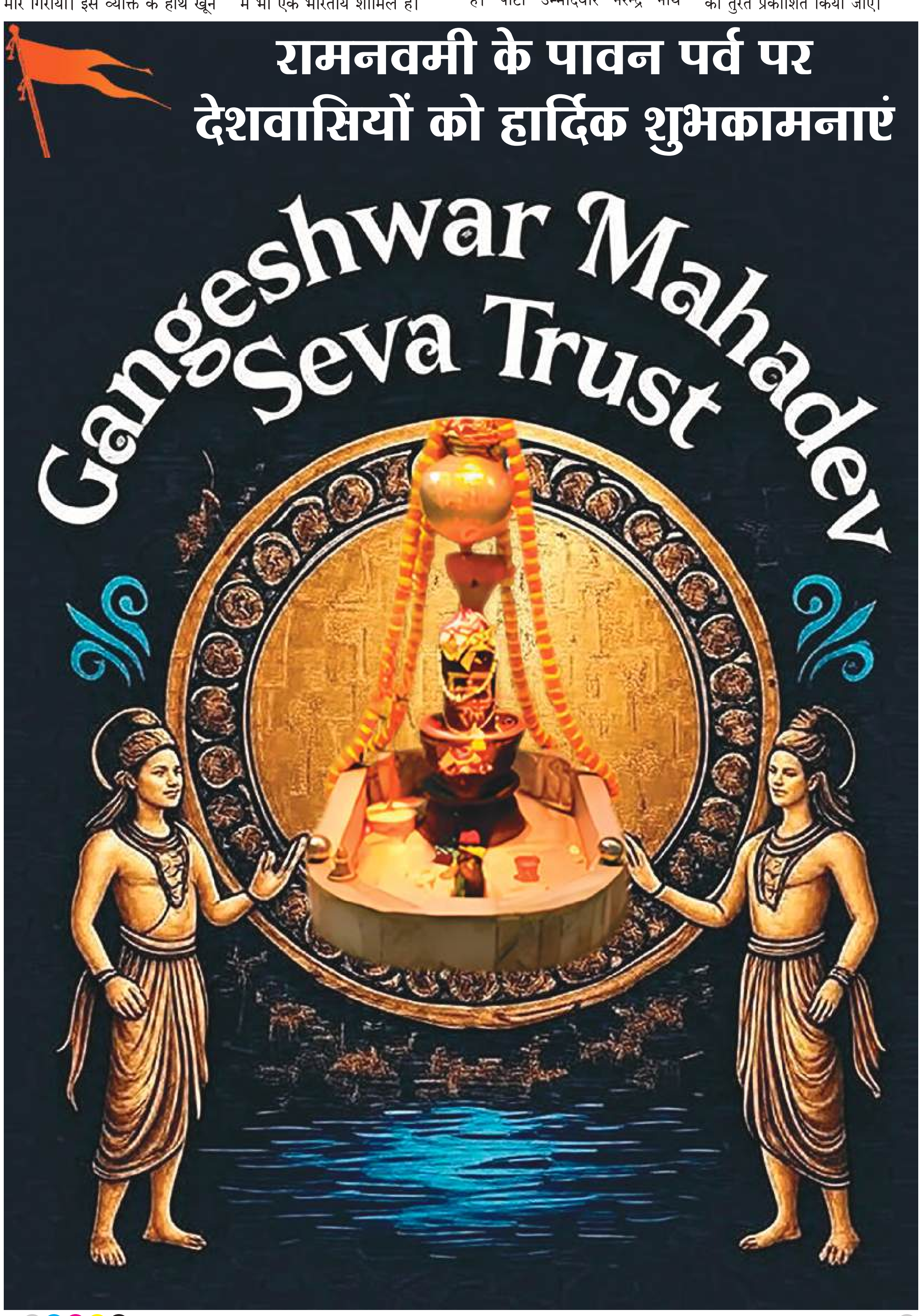

सख्ती व जवाबदेही से ही होगा समाधान

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं।

दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य शृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में अघुलनशील कचरा व अन्य अपशिष्ट डालने से रोकने के लिये जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। यदि जागरूकता व प्रेरित करने से बात नहीं बनती तो इसके लिये जुर्माने का प्रावधान भी होना चाहिए। साथ ही गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। एक बात तो तय है कि सरकार के साथ जब समाज की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती, गंगा का साफ होना असंभव जैसा हो जाएगा। गंगा सिर्फ बहती नदी नहीं है हमारे पुरखों की आस्था और विश्वास का प्रतीक है। गंगा मुक्तिकामी भी है। जीवनदायिनी भी है। ऐसे में केंद्र सरकार की नमामि गंगा परियोजना में राज्यों की भागीदारी और जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। साथ ही स्वच्छता परियोजना की निरंतर निगरानी की जानी भी जरूरी है ताकि प्रयासों का स्थायी लाभ गंगा को स्वच्छ बनाने में मिल सके। सही मायनों में आज गंगा के उद्धार के लिये हर भारतीय को भगीरथ जैसा दायित्व निभाना होगा। तभी सदियों से अविरल बह रही जीवनदायी गंगा की प्रतिष्ठा भी फिर से स्थापित हो सकेगी। फिर एनजीटी को यह न कहना पड़ेगा कि फलां जगह का गंगाजल आचमन करने लायक नहीं रह गया है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 27 मार्च, शुक्रवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, चैत्र शुक्लपक्ष नवमी, 10:09 तक, नक्षत्र : पुनर्वसु, 15:24 तक, योग : अतिगंदा, 22:11 तक, सूर्योदयः 05:36, सूर्यास्तः 17:50, चन्द्रोदय : 12:29, चन्द्रास्तः 01:32, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : मीन, चन्द्र राशि : मिथुन, राहू काल : 10:11 से 11:42

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है। भाग्य का साथ मिलने से आपके कामों में सफलता के योग बन रहे हैं और समाज में आपकी अच्छी पहचान भी बनेगी।

वृष : आज का दिन आपके लिए थोड़ा व्यस्तता भरा रह सकता है। कामों की अधिकता के कारण भागदौड़ भी बढ़ेगी। अपने खर्चों को भी जरूरत के अनुसार ही रखें।

मिथुन : आज आपको अपने कामों को योजना बनाकर पूरा करने की आवश्यकता है। जल्दबाजी में लिए गए फैसले परेशानी बढ़ा सकते हैं। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिलने के संकेत हैं।

कर्क : आज आपको अपने खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखना होगा। अविवाहित लोगों की अपने किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। हल्की नोकझोंक होने की संभावना है।

सिंह : आज का दिन आपके लिए सुख और संतोष से भरा रहने वाला है। धन से जुड़ा कोई काम जो लंबे समय से अटका हुआ था, वह आज पूरा हो सकता है।

कन्या : आज आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर विशेष नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। यदि आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल हों, तो पहले लोगों की बात ध्यान से सुनें।

तुला : आज का दिन आपके लिए धन और समृद्धि में वृद्धि का संकेत दे रहा है। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी के साथ कुछ खास और रोमांटिक पल बिता सकते हैं।

वृश्चिक : आज आपको अपने खर्चों को लेकर थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है। दिखावे के चक्कर में अनावश्यक खर्च करना बाद में परेशानी दे सकता है। धैर्य बनाए रखें।

धनु : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आप किसी यात्रा की योजना बना सकते हैं और माता-पिता की सेवा के लिए भी समय निकाल सकते हैं।

मकर : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। चारों ओर का माहौल सकारात्मक रहेगा और आप लोगों की मदद के लिए भी आगे आएंगे।

कुम्भ : आज का दिन आपको थोड़ा सतर्क रहने की सलाह दे रहा है। कुछ विरोधी आपके कामों में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए किसी भी अजनबी व्यक्ति से लेन-देन करने से बचें।

मीन : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। घर में कोई नया इलेक्ट्रॉनिक सामान या बिजली का उपकरण आ सकता है। आप किसी काम को लेकर पिताजी से सलाह लें।।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का मर्यादित जीवन

अशोक प्रवृद्ध

लेखक, आध्यात्मिक चिन्तक व साहित्यकार

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि आदर्श जीवन का वह दर्पण है जिसमें मर्यादा शब्द को जीवंत रूप दिया गया है। श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने मानवीय सीमाओं अर्थात मर्यादाओं में रहकर वह सर्वोच्च आचरण प्रस्तुत किया, जो आज भी मानवता का पथ-प्रदर्शक है। श्रीराम के जीवन का सबसे बड़ा आधार सत्य है। वाल्मीकि रामायण में उन्हें सत्यवादी और दृढव्रतः कहा गया है। जब राजा दशरथ ने उन्हें वनवास का आदेश दिया, तो उन्होंने बिना किसी शोक या क्रोध के उसे स्वीकार किया। अयोध्या कांड में श्रीराम स्वयं स्वीकारते हैं-

रामो द्विर्नाभिभाषते।

अर्थात- राम दो बार नहीं बोलते।

राम की बात अटल होती है। उन्होंने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट का मोह क्षण भर में त्याग दिया। वाल्मीकि ने राम को धर्म का साक्षात विग्रह माना है- रामो विग्रहवान् धर्मः। उनके लिए धर्म का अर्थ किसी संकीर्ण पूजा पद्धति से नहीं, बल्कि कर्तव्य से था। एक पुत्र, भाई, पति और राजा के रूप में उन्होंने सदैव निजी सुख के ऊपर कर्तव्य को स्थान दिया। अयोध्या कांड में जब भरत उन्हें वापस लेने वन में जाते हैं, तब श्रीराम उन्हें कच्चित् सर्ग के माध्यम से राजधर्म का उपदेश देते हैं, जो एक शासक के लिए नीतिशास्त्र का सर्वोत्तम ग्रंथ है। माता कैकेयी, जिनके कारण उन्हें वनवास हुआ, उनके प्रति भी राम के मन में कभी कटुता नहीं रही। वन से लौटकर उन्होंने सबसे पहले कैकेयी के चरण स्पर्श किए। लक्ष्मण और भरत के प्रति उनका प्रेम निःस्वार्थ था। लक्ष्मण के मूर्छित होने पर विलाप करते हुए वे कहते हैं कि देश-देश में स्त्रियां मिल सकती हैं, सगे संबंधी मिल सकते हैं, पर सहोदर भाई मिलना कठिन है। सुग्रीव और विभीषण के साथ उनकी मित्रता में ऊँच-नीच या स्वार्थ का स्थान नहीं था। एक सामान्य मनुष्य के समान राम रोते हैं, दुखी होते हैं और क्रोध भी करते हैं, लेकिन कभी अपनी गरिमा नहीं लांघते। समुद्र से रास्ता मांगते समय जब वह प्रार्थना से नहीं मानता, तब राम क्रोधित होते हैं, लेकिन वह क्रोध भी केवल लक्ष्य प्राप्ति के लिए था, विनाश के लिए नहीं। अरण्य कांड में सीता के अपहरण के बाद उनका विलाप उनके गहरे मानवीय प्रेम को दर्शाता है, किन्तु वे विलाप में भी कर्तव्य पथ से विचलित नहीं होते। श्रीराम की मर्यादा की पराकाष्ठा रावण के साथ उनके व्यवहार में दिखती है। युद्धभूमि में जब रावण निहत्था हो जाता है, तो राम उसे मारते नहीं, बल्कि कहते हैं- थक गए हो, आज घर जाओ, कल शस्त्र लेकर आना। युद्ध कांड में रावण की मृत्यु के बाद राम विभीषण से कहते हैं-

मरणान्तानि वैराणि।

अर्थात- मृत्यु के साथ ही वैर समाप्त हो जाता है।

श्रीराम ने रावण का विधिवत अंतिम संस्कार करवाया।वाल्मीकि रामायण के केवट संवाद और भरत मिलाप श्रीराम के सबसे भावुक और मर्यादित प्रसंगों में शामिल हैं। केवट संवाद तो मर्यादा और प्रेम का संगम ही है। वाल्मीकि रामायण के अयोध्या कांड में अंकित केवट संवाद के अनुसार जब श्रीराम वनवास के लिए निकले तो गंगा तट पर उनकी भेंट केवट से हुई। केवट ने प्रभु के चरणों को धोने की जिद की, क्योंकि उसने सुना था कि उनके चरणों की धूल से पत्थर की अहिल्या नारी बन गई थी। उसे डर था कि कहीं उसकी काठ की नाव भी स्त्री न बन जाए। श्रीराम ने उसकी इस भोली और प्रेमभरी शर्त को सस्मित अर्थात मुस्कुराते हुए स्वीकार किया। यहां श्रीराम की मर्यादा यह है कि वे एक राजा के पुत्र होकर भी एक साधारण केवट के सामने झुकते हैं ताकि वह अपना काम अर्थात पैर धोना कर सके। वे ऊँच-नीच के भेदभाव को पूरी तरह मिटा देते हैं। मर्यादा की पराकाष्ठा यह है कि जब केवट उन्हें पार उतार देता है, तब श्रीराम उसे उत्तराई अर्थात किराया देना चाहते हैं। वे खाली हाथ थे, तो सीता जी ने अपनी रत्नजड़ित मुद्रिका अर्थात अंगूठी दी। केवट ने उसे लेने से मना कर दिया, यह कहते हुए कि हम दोनों एक ही व्यवसाय के हैं, मैं नाव से पार उतारता हूं, आप भवसागर से। श्रीराम ने उसके इस निस्वार्थ प्रेम को सम्मान दिया और उसे गले लगा लिया।

भरत मिलाप प्रसंग में त्याग और कर्तव्य की पराकाष्ठा दिखाई देती है। चित्रकूट में जब भरत अपनी सेना और माताओं के साथ श्रीराम को वापस अयोध्या ले जाने आते हैं, तो वह दृश्य भ्रातृ प्रेम का विश्वकोश बन जाता है। भरत को लगता था कि उनके कारण श्रीराम को कष्ट हुआ है। वे नंगे पैर चलकर श्रीराम के पास पहुंचे। वाल्मीकि लिखते हैं कि जैसे ही श्रीराम ने धूल से धूसरित भरत को देखा, वे दौड़कर उनसे लिपट गए। यहां श्रीराम अपनी राजसी गरिमा भूलकर केवल एक बड़े भाई बन गए। भरत ने श्रीराम से प्रार्थना की कि वे अयोध्या लौटें और राज्य संभालें। राम के सामने दो मर्यादाएं थीं- एक तरफ छोटे भाई का प्रेम और दूसरी तरफ पिता का वचन। श्रीराम ने भरत को समझाते हुए कहा कि पिता की आज्ञा का पालन करना ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने भरत से कहा-

यद् यथा पित्रा कथितं, तत् तथा कर्तव्यम्।

अर्थात- पिता ने जैसा कहा, वैसा ही करना चाहिए। अंत में, भरत ने राम की खड़ाऊँ अर्थात पादुका माँगी। राम ने अपनी पादुकाएं दे दीं, जिन्हें भरत ने अपने सिर पर रखा। यहां श्रीराम की मर्यादा यह है कि उन्होंने राज्य का मोह नहीं किया, और भरत की मर्यादा यह कि उन्होंने सिंहासन पर न बैठकर, राम की पादुकाओं को प्रतिनिधि मानकर 14 वर्ष तक तपस्वी का जीवन जीया। ये दोनों प्रसंग सिखाते हैं कि शक्ति और सत्ता होने के बावजूद सामान्य जन के प्रति प्रेम और सम्मान रखना चाहिए। अपनों के लिए और सत्य के लिए बड़े से बड़े पद का त्याग कर देना चाहिए। शबरी प्रसंग और हनुमान मिलन की घटनाएं श्रीराम के जीवन में प्रेम और मैत्री की पराकाष्ठा को दर्शाती हैं। वाल्मीकि रामायण के अरण्य कांड में वर्णित शबरी का प्रसंग सिद्ध करता है कि श्रीराम के लिए जाति, कुल या सामाजिक स्थिति का कोई महत्व नहीं था। उनके लिए केवल भाव प्रधान था। शबरी एक वृद्ध तपस्विनी थीं, जो मतंग ऋषि के आश्रम में रहती थीं। उन्होंने वर्षों तक केवल इस विश्वास पर प्रतीक्षा की कि उनके गुरु के वचनों के अनुसार राम यहां अवश्य आयेंगे। जब श्रीराम और लक्ष्मण वहां पहुंचे, तो शबरी ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार कंद-मूल और फल अर्पित किए। वाल्मीकी लिखते हैं कि राम ने उन फलों को बड़े चाव से ग्रहण किया। यह राम की मर्यादा थी कि उन्होंने एक वनवासी वृद्धा के प्रेमपूर्ण निमंत्रण को राजसी भोग से ऊपर रखा। राम ने शबरी को साध्वी कहकर संबोधित किया और उनसे उनके तप के बारे में पूछा। यह दर्शाता है कि राम स्त्री शक्ति और उनकी तपस्या का कितना सम्मान करते थे।

किष्किंधा कांड में अंकित श्रीराम- हनुमान मिलन प्रसंग विवेक और परख का अद्भुत उदाहरण है।हनुमान श्रीराम की वास्तविकता जानने के लिए एक भिक्षुक ब्राह्मण का रूप धरकर आए थे। उन्होंने बड़े ही चतुर और विद्वतापूर्ण तरीके से श्रीराम से उनका परिचय पूछा। हनुमान के बोलने के ढंग से श्रीराम अत्यंत प्रभावित हुए। उन्होंने लक्ष्मण से कहा-

नूनं व्याकरणं कृत्स्नमनेन बहुधा श्रुतम्।

अर्थात- निश्चित ही इन्होंने संपूर्ण व्याकरण का अनेक बार अध्ययन किया है।

श्रीराम ने हनुमान की वाणी में शुद्धता और विनय को तुरंत पहचान लिया।जब हनुमान ने अपना असली रूप प्रकट किया और राम के चरणों में गिरे, तो श्रीराम ने उन्हें उठाकर गले लगा लिया। यह एक स्वामी और सेवक का मिलन नहीं, बल्कि दो महान आत्माओं का मिलन था। इसी मिलन ने आगे चलकर सुग्रीव के साथ मित्रता और रावण के विरुद्ध विजय की नींव रखी। इस प्रकार शबरी प्रसंग सिखाता है कि ईश्वर केवल प्रेम के भूखे हैं, वे आडंबर के नहीं। हनुमान मिलन सिखाता है कि योग्य व्यक्ति की पहचान उसकी वाणी और उसके आचरण से होती है।श्रीराम के जीवन का चर्मोत्कर्ष लंका विजय और उसके उपरान्त राम-राज्य की स्थापना में निहित है। वाल्मीकि रामायण के युद्ध कांड और उत्तर कांड में अंकित इन प्रसंगों का वर्णन एक आदर्श शासक की मर्यादा को परिभाषित करता है। रावण के वध के बाद श्रीराम की मर्यादा और नीति का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि उन्होंने लंका पर अपना अधिकार नहीं जमाया। श्रीराम ने रावण को पराजित किया, लेकिन वे लंका के राजा नहीं बने। उन्होंने तुरंत लक्ष्मण को आदेश दिया कि विभीषण का राज्याभिषेक किया जाए। जब लक्ष्मण ने लंका की भव्यता और सोने की नगरी को देखकर उसकी प्रशंसा की, तब श्रीराम ने वह प्रसिद्ध श्लोक कहा था-अपि स्वर्णमयी लङ्का न मे लक्ष्मण रोचते।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।।

अर्थात -हे लक्ष्मण! भले ही यह लंका सोने की है, पर मुझे इसमें रुचि नहीं है। माँ और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं।यह उनकी अपनी जन्मभूमि अयोध्या के प्रति निष्ठा और पराई संपत्ति के प्रति अनासक्ति को दर्शाता है।

श्रीराम का राज्याभिषेक केवल एक व्यक्ति का सत्तासीन होना नहीं था, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था का जन्म था, जिसे आज भी राम-राज्य के रूप में याद किया जाता है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार राम-राज्य की मुख्य विशेषताओं में भयमुक्त समाज, समानता और न्याय, प्राकृतिक संपन्नता शामिल है। कहा गया है-

न पर्यदेवन् विधवा न च व्यालकृतं भयम्।

अर्थात- राम के राज्य में कोई विधवा विलाप नहीं करती थी और न ही किसी को जंगली जानवरों या चोरों का डर था।

समाज में ऊँच-नीच का भेद नहीं था। राजा स्वयं को जनता का सेवक मानता था। राम प्रतिदिन प्रजा की समस्याओं को सुनने के लिए उपस्थित रहते थे। कहा जाता है कि राम-राज्य में समय पर वर्षा होती थी, वृक्ष सदा फलों से लदे रहते थे और कोई भी अल्पायु में मृत्यु को प्राप्त नहीं होता था। यह पर्यावरण और स्वास्थ्य के प्रति एक आदर्श समाज का चित्रण है।

अग्नि परीक्षा और सीता का त्याग प्रसंग सबसे अधिक चर्चा और विवाद का विषय रहता है, किन्तु वाल्मीकि रामायण के संदर्भ में इसे लोक-मर्यादा के चश्मे से देखा जाता है। एक पति के रूप में श्रीराम को सीता की पवित्रता पर पूर्ण विश्वास था, लेकिन एक राजा के रूप में वे अपनी प्रजा के प्रति उत्तरदायी थे। जब समाज के एक वर्ग ने उंगली उठाई, तो श्रीराम ने व्यक्तिगत सुख अर्थात सीता का साथ का बलिदान देकर राजधर्म की मर्यादा को ऊपर रखा।उन्होंने स्वयं के हृदय पर पत्थर रखकर यह निर्णय लिया ताकि भविष्य में कोई यह न कह सके कि राजा ने अपने परिवार के लिए नियमों की अनदेखी की। यह उनकी कर्तव्यनिष्ठा की पराकाष्ठा थी, भले ही इसमें उनका व्यक्तिगत जीवन बिखर गया।वाल्मीकि रामायण के श्रीराम कोई चमत्कार करने वाले ईश्वर के रूप में नहीं, बल्कि अपनी इच्छाशक्ति से देवत्व प्राप्त करने वाले एक श्रेष्ठ पुरुष के रूप में चित्रित हैं। उनका जीवन सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी यदि मनुष्य अपनी मर्यादा और धैर्य न छोड़े, तो वह संसार के लिए वंदनीय बन जाता है। श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि पद जितना ऊँचा होता है, मर्यादाएं उतनी ही कठिन होती हैं। उन्होंने सुख को त्यागा ताकि धर्म जीवित रहे।

पूर्णता की अधिष्ठात्री माता सिद्धिदात्री

अशोक प्रवृद्ध

भारतीय परंपरा में शक्ति की उपासना सिर्फ श्रद्धा का विषय नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर छिपी अनंत संभावनाओं को जाग्रत करने का एक आध्यात्मिक व वैज्ञानिक मार्ग है। नवदुर्गा के नौ रूपों की यात्रा का अंतिम और सर्वोच्च सोपान हैं- माता सिद्धिदात्री। साधना से सिद्धि का संगम का प्रतीक है। सिद्धि का अर्थ है पूर्णता अथवा उपलब्धि, और दात्री का अर्थ है प्रदान करने वाली।मार्कण्डेय पुराण और देवी भागवत के अनुसार माता सिद्धिदात्री वह आदिशक्ति हैं जिनसे स्वयं त्रिदेवों ने अपनी शक्तियां प्राप्त कीं। जहां शैलपुत्री से शुरू हुई यात्रा संकल्प और तपस्या की थी, वहीं सिद्धिदात्री पर आकर वह यात्रा अनुभूति और सिद्धि में बदल जाती है। यह स्वरूप केवल पौराणिक कथाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे सहस्रार चक्र की जागृति, केतु जैसे आध्यात्मिक ग्रहों की शांति और शतावरी जैसी जीवन दायिनी औषधियों के माध्यम से हमारे सूक्ष्म और स्थूल शरीर को पूर्णता प्रदान करता है। माता सिद्धिदात्री नवदुर्गा का नौवां और अंतिम स्वरूप हैं, जिन्हें सभी सिद्धियों की स्वामिनी माना जाता है। उनकी पौराणिक कथा मुख्य रूप से देवी भागवत पुराण और मार्कण्डेय पुराण के संदर्भों पर आधारित है। पौराणिक मान्यतानुसार सृष्टि के प्रारंभ में जब चारों ओर केवल अंधकार था और कुछ भी अस्तित्व में नहीं था, तब एक विशाल दिव्य प्रकाश पुंज प्रकट हुआ। यह प्रकाश निराकार आदिशक्ति का था। इसी शक्ति ने सृष्टि संचालन के लिए त्रिदेवों अर्थात ब्रह्मा, विष्णु और महेश (शिव) को उत्पन्न किया। सृष्टि के निर्माण, पालन और संहार के कठिन कार्यों को संपन्न करने के लिए त्रिदेवों को विशेष शक्तियों की आवश्यकता थी। तब आदिशक्ति ने सिद्धिदात्री के रूप में प्रकट होकर उन्हें आशीर्वाद दिया। भगवान विष्णु को लक्ष्मी, भगवान ब्रह्मा को सरस्वती और भगवान शिव को पार्वती के रूप में उनकी शक्तियां प्रदान कीं। देवी ने ब्रह्मा को सृष्टि रचने, विष्णु को उसका पालन करने और शिव को संहार का उत्तरदायित्व सौंपा। सिद्धिदात्री माता की सबसे महत्वपूर्ण कथा भगवान शिव के अर्द्धनारीश्वर रूप से जुड़ी है। भगवान शिव ने अष्ट सिद्धियां प्राप्त करने के लिए माता सिद्धिदात्री की कठोर तपस्या की। देवी उनकी भक्ति से प्रसन्न हुईं और उन्हें आठों महासिद्धियां-अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व प्रदान कीं। देवी की असीम कृपा से भगवान शिव का आधा शरीर देवी के रूप में परिवर्तित हो गया, जिससे वे अर्द्धनारीश्वर कहलाए। यह स्वरूप पुरुष और प्रकृति अथात शक्ति के अटूट संबंध का प्रतीक है। एक अन्य कथा के अनुसार जब महिषासुर के अत्याचार बढ़ गए, तब सभी देवताओं के तेज के पुंज से देवी का प्राकट्य हुआ, जिन्हें सिद्धिदात्री भी कहा गया। उन्होंने ही देवताओं को उनके खोए हुए अधिकार और सिद्धियां पुनः दिलाने में सहायता की। माता सिद्धिदात्री सिंह पर सवार हैं और कमल के पुष्प पर भी आसीन रहती हैं। उनकी चार भुजाएं हैं। दाहिनी ओर के ऊपरी हाथ में गदा और नीचे वाले हाथ में चक्र है। बाईं ओर के ऊपरी हाथ में शंख और निचले हाथ में कमल का पुष्प है।

माता सिद्धिदात्री का महत्व केवल कथाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ज्योतिष और योग के गहरे सिद्धांतों से जुड़ा है। ज्योतिष शास्त्र में माता सिद्धिदात्री का संबंध केतु और बृहस्पति दोनों से माना जाता है, लेकिन मुख्य रूप से वे केतु की अधिष्ठात्री देवी हैं। वे केतु का नियंत्रण करती हैं। केतु मोक्ष, वैराग्य और आकस्मिक सिद्धियों का कारक है। केतु के अशुभ प्रभाव यथा-भ्रम या मानसिक अशांति को दूर करने के लिए माता सिद्धिदात्री की उपासना अचूक मानी जाती है। चूंकि वे पूर्णता की देवी हैं, इसलिए वे व्यक्ति की कुंडली में गुरु अर्थात बृहस्पति को बल प्रदान करती हैं, जिससे जातक को आध्यात्मिक ज्ञान और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। योग साधना में माता सिद्धिदात्री का स्थान सबसे ऊँचा है, क्योंकि वे साधना की पूर्णाहुति का प्रतीक हैं। यौगिक दृष्टि से माता सिद्धिदात्री का वास सहस्रार चक्र अर्थात मस्तिष्क के शीर्ष पर स्थित हजार पंखुड़ियों वाला कमल में माना जाता है। जब साधक की कुंडलिनी शक्ति सातवें चक्र में पहुंचती है, तब उसे सिद्धि का अनुभव होता है। इस अवस्था में साधक और ईश्वर के बीच का अंतर समाप्त हो जाता है। योगी को यह अनुभव होता है कि वह स्वयं ब्रह्मांड का अंश है। योगी को ब्रह्मांडीय चेतना का अनुभव होने लगता है। योग में सिद्धि का अर्थ केवल चमत्कार नहीं, बल्कि मन की शून्यता और पूर्णता की वह अवस्था है जहां कोई इच्छा शेष न रहे। माता सिद्धिदात्री साधक को अमानव भाव प्रदान करती हैं, जिससे वह जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त हो जाता है। जहां अन्य आठ देवियां भय का नाश, शक्ति का संचय, एकाग्रता आदि साधना के विभिन्न चरणों का प्रतिनिधित्व करती हैं, वहीं सिद्धिदात्री उस अंतिम विन्दु का प्रतीक हैं जहां खोज समाप्त होती है और प्राप्ति शुरू होती है। आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के दृष्टिकोण से माता सिद्धिदात्री का संबंध शतावरी नामक औषधि से माना गया है। नवदुर्गा के नौ स्वरूपों का नौ विशिष्ट औषधियों से जो संबंध मार्कण्डेय पुराण के देवी कवच में बताया गया है, उनमें नौवीं औषधि शतावरी है। शतावरी को आयुर्वेद में नारायणी भी कहा जाता है, और माता सिद्धिदात्री स्वयं साक्षात नारायण की शक्ति अर्थात नारायणी हैं। जिस प्रकार माता सिद्धिदात्री समस्त सिद्धियों और पोषण की दात्री हैं, उसी प्रकार शतावरी को आयुर्वेद में औषधियों की रानी माना गया है जो शरीर को पूर्ण पोषण प्रदान करती है। माता सिद्धिदात्री पूर्णता की प्रतीक हैं। आयुर्वेद में शतावरी शरीर की सातों धातुओं -रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा, शुक्र को पुष्ट कर शरीर को पूर्ण बनाती है। यही कारण है कि शारीरिक व मानसिक बल प्रदान करने वाली शतावरी को सप्तधातु वर्धक कहा जाता है। योग में जैसे माता सिद्धिदात्री सहस्रार चक्र (मस्तिष्क) को जाग्रत करती हैं, शतावरी को मेध्य अर्थात नसों और मस्तिष्क के लिए टॉनिक माना गया है, जो मानसिक शांति और स्मरण शक्ति बढ़ाती है। सिद्धिदात्री सृष्टि की जननी हैं। शतावरी का मुख्य कार्य भी प्रजनन प्रणाली को शक्ति देना है। यह हार्मोनल असंतुलन को ठीक करती है। धात्री माता के दूध की वृद्धि के लिए इसे सर्वश्रेष्ठ औषधि माना गया है, जो ममता और पोषण के गुण को चरितार्थ करती है। माता सिद्धिदात्री का स्वरूप अत्यंत सौम्य और शीतल है। शतावरी भी स्वभाव में शीतल होती है, जो शरीर की अत्यधिक गर्मी (पित्त) और उत्तेजना को शांत कर साधक को साधना के लिए स्थिर शरीर प्रदान करती है। आयुर्वेद में शतावरी का सेवन केवल रोग निवारण नहीं, बल्कि शरीर को सिद्ध (स्वस्थ और सक्षम) करने का माध्यम है, जो माअ सिद्धिदात्री के सिद्धि प्रदान करने वाले स्वरूप के अनुरूप है।

माता सिद्धिदात्री के बहुआयामी स्वरूप अर्थात पौराणिक, ज्योतिषीय, यौगिक और आयुर्वेदिक संबंध, और महत्व के समीचीन अध्ययन से स्पष्ट होता है कि माता सिद्धिदात्री का स्वरूप इस ब्रह्मांडीय सत्य का उद्घोष है कि कठिन साधना का अंत सदैव दिव्य फल की प्राप्ति में होता है। वे भगवान शिव के अर्द्धनारीश्वर रूप की वह आधी शक्ति हैं, जिसके बिना शव भी शिव नहीं बन सकता। ज्योतिष की दृष्टि से वे भ्रम अर्थात केतु को मिटाकर मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती हैं, तो आयुर्वेद में शतावरी के रूप में वे शरीर को नवजीवन और पोषण प्रदान करती हैं। यौगिक मार्ग पर सिद्धिदात्री वह विन्दु है जहां साधक स्व को खोकर सर्व को पा लेता है। उनकी उपासना हमें यह सिखाती है कि सिद्धियां केवल चमत्कार नहीं, बल्कि मन की वह अवस्था है जहां व्यक्ति अपनी इंद्रियों पर विजय प्राप्त कर प्रकृति के साथ एकाकार हो जाता है। अतः, सिद्धिदात्री की शरण में जाने का अर्थ है- स्वयं की अपूर्णता को त्याग कर उस परम चेतना में विलीन हो जाना, जहां केवल शांति, ज्ञान और अनंत आनंद शेष रहता है।

-लेखक, आध्यात्मिक चिंतक व साहित्यकार

वर्ग पहेली नं. 3391

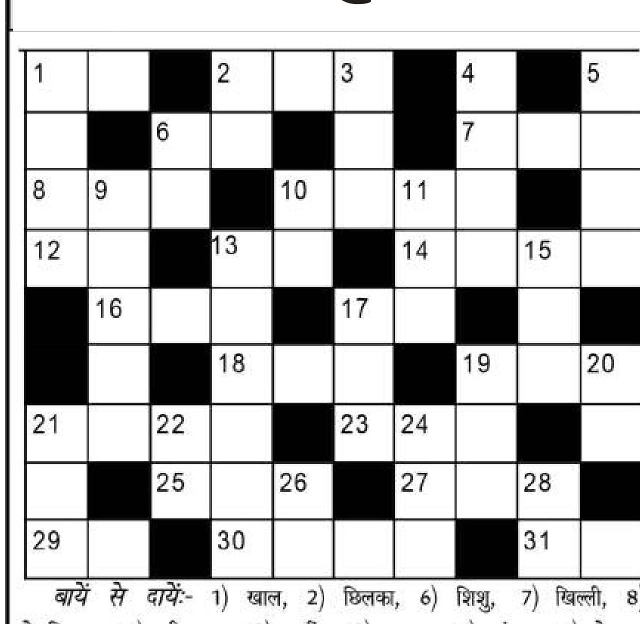

बायें से दायें:- 1) खाल, 2) छिलका, 6) शिशु, 7) खिल्ली, 8) मेघविद्युत, 10) भीड़दार, 12) नहीं, 13) घाटा, 14) झंडा, 16) नेवला, 17) पत्र, 18) प्रतिशोध, 19) राई, 21) छबीला, 23) प्रातःकाल, 25) सवारी, 27) गवैया, 29) पिस्तौल; बोरा, 30) टालना, 31) रिवाज.

ऊपर से नीचे:- 1) एक मिठाई, 2) अपक्व, 3) खुशामदी टट्टू, 4) निशाचर, 5) अभियुक्त, 6) आफ़त, 9) अवनतिशील, 10) नीबुई, 11) बिक्री, 13) ऊँट की बोली, 15) फेरा, 17) समाप्त, 19) धर्म शाला, 20) डंडा, 21) कई; बहुत, 22) विधवा, 24) पराया; अपरिचित, 26) पुल्लिंगीय सजीव, 28) हाथ का पंजा.

(उत्तरः अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

क	ड़ी	■	त	ना	त	नी	■	आ	गे
न	■	अ	भी	■	मा	■	आ	धा	■
फु	र	ती	■	पा	श	■	न	र	म
स	■	त	ल	■	बी	र	न	■	हि
की	र	■	ल	गा	न	■	फ़ा	स	ला
■	वि	वे	क	■	■	■	न	मी	■
स	वा	■	■	को	■	प	न	प	ना
मु	र	ली	ध	र	■	र	■	ता	न
द्र	■	ची	■	स	मा	चा	र	■	क

सुडोकू-पहेली-3349

		6	4				8	
							9	7
	4							6
2				7				
			5				7	
	9	3		6				
			9			3	2	
5	6							
	8			5	2			

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3348 का उत्तर

1	6	2	4	7	3	5	8	9
9	4	8	2	5	1	3	6	7
5	7	3	9	6	8	4	2	1
7	9	1	5	3	2	6	4	8
8	3	4	7	1	6	2	9	5
2	5	6	8	4	9	1	7	3
6	8	5	3	2	7	9	1	4
3	2	9	1	8	4	7	5	6
4	1	7	6	9	5	8	3	2

चुनावी माहौल में रामनवमी का त्योहार भाजपा, तृणमूल के शक्ति प्रदर्शन में हुआ तब्दील

सड़कों पर 'जय श्री राम' के नारे गूंजे और सैकड़ों की संख्या में निकली झांकियां
सुरक्षा के कड़े इंतजाम, पुलिस कर्मी एवं संवेदनशील क्षेत्रों में केंद्रीय बलों रहे मुस्तैद

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में गुरुवार को रामनवमी के अवसर पर एक ओर जहां भाजपा हिंदुत्व के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाती हुई दिखी, वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भी विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा को धार्मिक विमर्श पर एकाधिकार स्थापित करने से रोकने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही। कोलकाता और कई जिलों में रामनवमी के अवसर पर भगवा ध्वज लहरा रहे थे, भीड़ भरी सड़कों पर 'जय श्री राम' के नारे गूंज रहे थे और सैकड़ों की संख्या में झांकियां निकाली गईं। कोलकाता शहर में 60 से अधिक छोटी-बड़ी रैलियां निकाली गईं, जबकि हावड़ा, हुगली, बीरभूम और उत्तर दिनाजपुर जैसे जिलों में भी इसी तरह की झांकी निकाली गईं। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गए थे, हजारों पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था और संवेदनशील क्षेत्रों में केंद्रीय बलों को मुस्तैद रखा गया था। कई भाजपा नेताओं और उम्मीदवारों ने भी अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में झांकी में भाग लिया, जिससे यह धार्मिक उत्सव संगठनात्मक शक्ति के प्रदर्शन में तब्दील हो गया। पार्टी नेताओं ने कहा कि भाजपा और संघ परिवार

राम नवमी के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा के दौरान जोरासांको सीट से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार विजय उपाध्याय, संजय बक्शी समेत अन्य मौजूद रहे।

में उसके वैचारिक सहयोगियों ने दो दिनों के उत्सव के दौरान लगभग दो करोड़ लोगों से संपर्क साधने के उद्देश्य से राज्य भर में कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जो इसकी व्यापक पहुंच को रेखांकित करता है। हालांकि, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस भी इस उत्सव के जरिये अपना जनाधार बढ़ाने में कोई कसर छोड़ती नजर नहीं आ रही है। तृणमूल के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष कई स्थानीय नेताओं के साथ उत्तर कोलकाता में रामनवमी रैली में शामिल हुए।

शुभेंदु अधिकारी ने भवानीपुर में जुलूस में लिया भाग

भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में रामनवमी की शोभायात्रा में भाग लिया। भवानीपुर में शोभायात्रा विधानसभा क्षेत्र के बड़े हिस्से से गुजरते हुए मुख्यमंत्री बनर्जी के आवास से लगभग एक किलोमीटर दूर हाजरा क्रॉसिंग पर समाप्त हुई। इस शोभायात्रा में शुभेंदु अधिकारी शामिल हुए।

रामनवमी शोभायात्रा में हथियार प्रदर्शित करने पर न्यूटाउन में हंगामा

रामनवमी के अवसर पर गुरुवार को न्यूटाउन में निकाली जा रही शोभायात्रा को लेकर कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। शोभायात्रा में हथियार प्रदर्शित करने के आरोप के बाद पुलिस ने जुलूस को रोक दिया, जिससे मौके पर हंगामे की स्थिति बन गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, न्यूटाउन स्थित राम मंदिर से रामनवमी की शोभायात्रा निकाली जा रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों द्वारा तलवार लाने की शिकायत सामने आई। इसके बाद, न्यूटाउन और बिधाननगर पुलिस की संयुक्त टीम ने जुलूस को रोक दिया। पुलिस का कहना था कि हथियार के साथ इस प्रकार की शोभायात्रा की अनुमति नहीं दी जा सकती। इस दौरान, राजारहाट-न्यूटाउन विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार पीयूष कनोड़िया भी शोभायात्रा में मौजूद थे। उन्होंने पुलिस से बातचीत कर जुलूस को आगे बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस अपने निर्णय पर अडिग रही। इसको लेकर दोनों पक्षों के बीच कुछ देर तक तीखी बहस और कहासुनी हुई। हालांकि, बाद में, स्थिति सामान्य होने पर शोभायात्रा को आगे बढ़ने दिया गया।

मूल नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश रच रही भाजपा : अभिषेक बनर्जी

जलपाईगुड़ी : तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह एसआईआर प्रक्रिया के नाम पर देश के वास्तविक नागरिकों के खिलाफ साजिश कर रही है और उनके नाम मतदाता सूची से हटा रही है। जलपाईगुड़ी जिले के धूपगुड़ी से विधानसभा चुनाव में टीएमसी के उम्मीदवार निर्मल चंद्र रॉय के समर्थन में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा धर्म के आधार पर राजनीति कर रही है और लोगों का ध्यान रोजगार और आवास जैसे मूल मुद्दों से भटका रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार

देश के वास्तविक नागरिकों के खिलाफ साजिश कर रही है। यहां सौ साल से रह रहे लोगों से भी एसआईआर के नाम पर नागरिकता का प्रमाण मांगा जा रहा है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव ने आरोप लगाया कि यहां तक कि बुजुर्ग लोगों को घंटों कतार में खड़ा रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है, सिर्फ यह देखने के लिए कि उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं या जांच के अधीन रखे गए हैं।

अगर मतदाता सूची में 30 लाख नाम शामिल होते हैं तो इसका श्रेय तृणमूल को मिलेगा : ममता

बीरभूम : तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने गुरुवार को दावा किया कि अगर विचाराधीन 60 लाख से अधिक लोगों के नामों में से लगभग 30 लाख नाम मतदाता सूची में शामिल हो जाते हैं तो इसका श्रेय उनकी पार्टी को मिलेगा। मुख्यमंत्री बनर्जी ने बीरभूम जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस उन सभी लोगों के लिए कानूनी उपाय सुनिश्चित करेगी जिनके नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 'अगर विचाराधीन 60 लाख से अधिक नामों में से 29 से 30 लाख नाम मतदाता सूची में

शामिल हो जाते हैं तो यह हमारी उपलब्धि है। हमारे अभियान और संघर्ष के कारण ही ये नाम सूची में आ पाए हैं, लेकिन मैं चाहती हूं कि सूची में 100 प्रतिशत नाम हों क्योंकि वे सभी वास्तविक मतदाता हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के वकील उन लोगों की मदद करेंगे जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, ताकि वे इस उद्देश्य से गठित न्यायाधिकरणों के समक्ष अपना पक्ष रख सकें। उन्होंने भाजपा पर मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिये लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग से 60 लाख से अधिक लोगों के नामों में हुई 'तार्किक विसंगतियों' का विवरण देते हुए पूरी सूची प्रकाशित करने का आग्रह किया। उन्होंने आयोग से कहा कि अगर उसमें हिम्मत है तो अंतिम सूची जारी करे। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि नोटबंदी के दौरान, आधार कार्ड बनवाने और एसआईआर प्रक्रिया के लिए भी लोगों को कतारों में खड़ा होना पड़ा था। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया, बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करवाने के लिए राज्य विधानसभा चुनावों से ठीक पहले शुरू की गई थी। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि अगर राष्ट्रपति शासन लागू भी हो जाता, तो याद रखिए कि मैं अकेले ही काफी मजबूत हूं क्योंकि मुझे जनता का समर्थन प्राप्त है।

राज्य में केवल सत्ता परिवर्तन ही न्याय दिला सकता है : आरजी कर पीड़िता के माता-पिता

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 'कुशासन' को केवल भाजपा ही समाप्त कर सकती है और उनकी बेटी के लिए न्याय के साथ-साथ राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है। आरजी कर पीड़िता की मां ने यह बात कही। महिला चिकित्सक के माता-पिता ने कहा कि अब उनका माननाहै कि सच्चाई के पूरी तरह सामने आने के लिए राजनीतिक परिवर्तन आवश्यक है। परिजनों ने कहा कि भाजपा से जुड़कर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने का उनका निर्णय न्याय के लिए उनकी निरंतर लड़ाई से प्रेरित है। पिता ने कहा कि केवल भाजपा ही मेरी बेटी के लिए न्याय सुनिश्चित कर सकती है और राज्य की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान कर सकती है। उन्होंने कहा कि हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि हम किसी को भी अपनी बच्ची की मौत पर राजनीति करने की अनुमति नहीं देंगे। लेकिन वामपंथियों ने विरोध प्रदर्शन के अलावा क्या किया? पिता ने कहा कि जिस तरह से उन्होंने (वाम दलों ने) पहले राज्य पर शासन किया और अब जिस तरह से वे अप्रत्यक्ष रूप से तृणमूल को सत्ता में बने रहने में मदद कर रहे हैं, हम यह जानना भी नहीं चाहते कि उनका उम्मीदवार कौन है जो हमारे खिलाफ चुनाव लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि दंपति निर्वाचन क्षेत्र में साथ मिलकर प्रचार करेंगे। रत्ना ने कहा कि अगर मैं जीतती हूं, तो पनिहाटी के लोग जीतेंगे। मैं उन लोगों के लिए आवाज उठाऊंगी जो विरोध करना भूल चुके हैं। उन्होंने कहा कि अगर मैं जनता की सेवा कर सकती हूं, तो मेरी बेटी भी खुश होगी। मैं चाहती हूं कि पश्चिम बंगाल में कमल खिले और तृणमूल जड़ से उखड़ जाए।

एसआईआर : दूसरी पूरक मतदाता सूची के आज जारी होने की संभावना, 36 लाख मतदाताओं का निपटारा

कोलकाता, समाज्ञा : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत दूसरी पूरक सूची के 27-28 मार्च तक प्रकाशित होने की संभावना है। निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुनवार को यह जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि लंबित सूची से अब तक लगभग 36 लाख मतदाता प्रविष्टियों का निपटारा किया जा चुका है। यह दूसरी पूरक सूची जारी करने का आधार बनी हैं। उन्होंने कहा कि शुक्रवार या शनिवार की शाम तक दूसरी पूरक सूची जारी की जा सकती है।'' उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि यह प्रक्रिया विभिन्न बूथों से प्राप्त शेष प्रविष्टियों के समाधान पर निर्भर करती है।

भवानीपुर विधानसभा सीट के लिए निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति को लेकर तृणमूल-भाजपा में घमासान

कोलकाता, समाज्ञा : सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस द्वारा भवानीपुर विधानसभा सीट पर एक निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति पर आपत्ति जताये जाने के बाद निर्वाचन आयोग ने राज्य सरकार से तीन अधिकारियों का पैनल गठित करने को कहा है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बता दें कि तृणमूल ने आरोप लगाया कि भवानीपुर विधानसभा सीट पर नियुक्त निर्वाचन अधिकारी भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी हैं। इससे पहले नंदीग्राम के बीडीओ सुरजीत रॉय को इस महत्वपूर्ण सीट का निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया था। तृणमूल ने इसके विरोध में प्रदर्शन किया था और आरोप लगाया था कि सुरजीत रॉय शुभेंदु के करीबी हैं और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं। सत्ताधारी पार्टी की शिकायत के बाद आयोग ने मुख्य सचिव दुशमंत नरयाल को पत्र लिखकर तीन उपयुक्त अधिकारियों के पैनल के गठन की मांग की। आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह कदम चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर डीए भुगतान की प्रक्रिया शुरू, पोर्टल लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा : सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बंगाल सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को बकाया महंगाई भत्ता (डीए) देने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसी क्रम में, राज्य के वित्त विभाग ने एक विशेष पोर्टल शुरू किया है, जिस पर कर्मचारी अपने बकाया डीए का विवरण अपलोड कर रहे हैं। सरकारी सूत्रों के अनुसार, फिलहाल जनवरी 2016 से दिसंबर 2019 तक के बकाया डीए खातों को पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। इस चरण के पूरा होते ही कर्मचारियों को पहली किस्त जारी किए जाने की संभावना है। बताया जा रहा है कि वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन 31 मार्च तक पहली किस्त देने की तैयारी है।

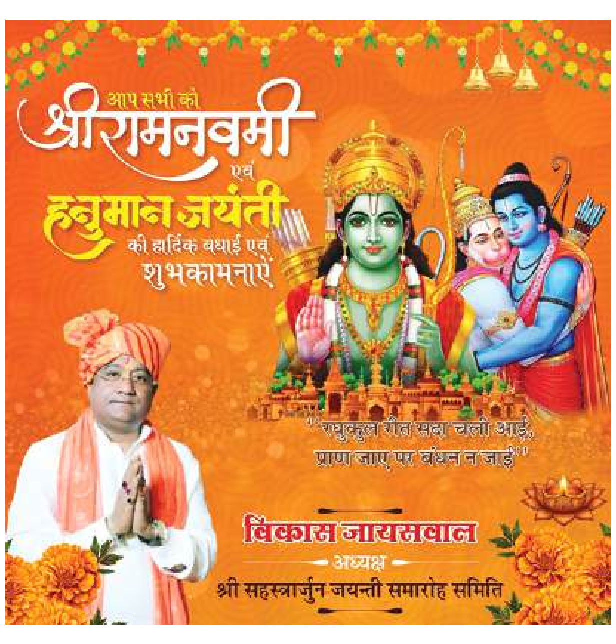

राज्य में भाजपा सत्ता में आई तो यूपी की तर्ज पर अपराधियों के साथ मुठभेड़ करेगी पुलिस : दिलीप घोष

पश्चिम मेदिनीपुर : भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने गुरुवार को दावा किया कि अगर उनकी पार्टी राज्य में सत्ता में आती है, तो पुलिस में पूरी तरह से बदलाव किया जाएगा और वह अपराधियों के विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश की शैली में भुठभेड़' करना शुरू कर देगी। खड़गपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य में पुलिस अभी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के इशारे पर काम करती है और अपराधियों तथा 'माफिया' के खिलाफ

कार्रवाई करने में नाकाम रहती है। घोष ने कहा कि चार मई के बाद सब कुछ बदल जाएगा। जिस पुलिस को आप आज माफिया के साथ बैठकर चाय पीते हुए और भ्रष्ट नेताओं के 'चमचे' के तौर पर काम करते हुए देखते हैं, उसका चरित्र बदल जाएगा। वही पुलिस उत्तर प्रदेश की शैली में मुठभेड़ करेगी और अपराधियों को सलाखों के पीछे डालेगी। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने खड़गपुर में लंबे समय तक 'गुंडों और माफिया' से लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ते रहेंगे। घोष ने कहा कि हमारे खिलाफ मामले दर्ज किए गए, जिनमें आरोप लगाया गया कि हमने लोगों को हथियारों के बल पर धमकाया। लेकिन अगर कोई डरता है, तो घोष जाहिर तौर पर उसे डराएगा। आपको डरने की क्या जरूरत है? अगर आपमें हिम्मत है, तो आमने-सामने आइए। अगर वे पुलिस की मदद से लूटपाट कर सकते हैं, चोरी कर सकते हैं और मतदाताओं को डरा-धमका सकते हैं, तो हम उन्हें चुनौती क्यों नहीं दे सकते? उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा अपने विरोधियों को चौंकाते हुए राजनीति की है। खड़गपुर के लोगों ने इसी वजह से मुझे वोट दिया था, और वे फिर से मुझे ही वोट देंगे।

आरजी कर अस्पताल में फिर लिफ्ट खराब, मरीज-परिजन फंसे

कोलकाता, समाज्ञा : आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में लिफ्ट को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। खासकर हाल ही में हुई एक दर्दनाक घटना के बाद यह मुद्दा और भी गंभीर हो गया है। बीते शुक्रवार को ट्रॉमा सेंटर की एक लिफ्ट की चपेट में आने से अपने बेटे का इलाज कराने आए युवक अरूप बंद्योपाध्याय की मौत हो गई थी। उस घटना के महज पांच दिन बाद ही अस्पताल में फिर से लगातार दो लिफ्ट खराब होने की घटना सामने आई है, जिससे मरीजों के परिजन और अस्पताल कर्मियों के बीच दहशत फैल गई है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, बुधवार की सुबह करीब 7:52 बजे कैजुअल्टी ब्लॉक

की तीसरी मंजिल से नीचे आते समय एक लिफ्ट अचानक खराब हो गई और दूसरी व तीसरी मंजिल के बीच अटक गई। उस समय लिफ्ट में चेस्ट मेडिसिन विभाग से आए एक मरीज और उसके परिवार के छह सदस्य मौजूद थे, जो ग्राउंड फ्लोर जाने के लिए लिफ्ट में सवार हुए थे। अचानक लिफ्ट रुक जाने से अंदर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। काफी कोशिशों के बाद लिफ्ट को पहली मंजिल तक लाया गया, लेकिन उसका दरवाजा नहीं खुला। हालांकि, इस बार कोई दुखद हादसा नहीं हुआ। लंबे प्रयास के बाद सीआईएसएफ कर्मियों और इंजीनियरों की मदद से लिफ्ट में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। किसी की तबीयत गंभीर नहीं हुई, फिर भी इस घटना से अस्पताल परिसर में तनाव और चिंता का माहौल बन गया है। अस्पताल प्रशासन ने पूरे मामले की जांच कराने और आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया है, लेकिन अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों की चिंता फिलहाल कम होती नजर नहीं आ रही है।

रामनवमी की पूजा को लेकर जादवपुर एवं कलकत्ता विश्वविद्यालय में तनाव

कोलकाता, समाज्ञा : रामनवमी की पूजा को लेकर जादवपुर और कलकत्ता विश्वविद्यालय कैंपस में गुरुवार को तनाव का माहौल देखा गया। सूत्रों के मुताबिक, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की तरफ से बुधवार को इन दोनों विश्वविद्यालयों के अधिकारियों को पूजा की अनुमति मांगते हुए चिट्ठी लिखी गई थी। अनुमति नहीं मिलने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के सदस्यों ने कलकत्ता विश्वविद्यालय गेट के बाहर भगवान राम की पूजा का आयोजन किया। दूसरी तरफ, गुरुवार की सुबह करीब 11 बजे जादवपुर कैंपस में भी भगवान राम की प्रतिमा लाई गई। पूजा के दौरान वाम छात्र परिषद के सदस्य वहां एकत्रित होकर विरोध जताने लगे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर नारेबाजी हुई। जादवपुर

कैंपस में जहां एक तरफ 'जय श्री राम' के नारे लगाए गए वहीं दूसरी तरफ वाम छात्र परिषद के तरफ़ से 'इंकलाब ज़िंदाबाद' के नारे लगाए गए। हालात बिगड़ने से पहले उपाचार्य पुलिस सुरक्षा के साथ कैंपस में गए। एबीवीपी सूत्रों के मुताबिक, उपाचार्य ने मौखिक रूप से अनुमति दी थी। दूसरी ओर, कलकत्ता विश्वविद्यालय में भी रामनवमी की पूजा के लिए उपाचार्य से अनुमति नहीं मिलने की वजह से एबीवीपी के सदस्यों को विश्वविद्यालय के गेट के सामने पूजा करनी पड़ी। 'जय श्री राम' का नारा लगाया जा रहा था। इस मौके पर कलकत्ता विश्वविद्यालय के उपाचार्य ने कहा कि सरस्वती पूजा के अलावा कॉलेज कैंपस में किसी और पूजा की इजाज़त नहीं है, आज सरकारी छुट्टी है, इसलिए कैंपस का गेट पूरी तरह बंद है। एबीवीपी ने दावा किया कि इस साल हमने उपाचार्य से अनुमति नहीं मिलने की वजह से गेट के बाहर पूजा की, अगली बार हम कैंपस के अंदर पूजा करेंगे।

रामलीला मैदान से रामनवमी के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा. इस शोभायात्रा का आयोजन श्री राम स्वाभिमान परिषद के सचिव सूरज कुमार सिंह की ओर से किया गया. शोभायात्रा में नंदीग्राम और भवानीपुर से भाजपा के उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी, उत्तर हावड़ा से उम्मीदवार उमेश राय और भाजपा नेता संतोष पाठक समेत अन्य मौजूद रहे

शिव ठाकुर गली स्पोर्टिंग क्लब रामनवमी का शोभा यात्रा कार्यकर्ता पवन सोनकर सभी सदस्य श्री संजय बक्शी सपन बर्मन दारा सिंह वरुण मलिक अनिल सिंह दिनेश सिंह बजेश मिश्रा किशन जोशी शोभा यात्रा में शामिल हुए

पूर्व रेलवे की आरपीएफ का सुरक्षा अभियान तेज, नकदी और अवैध सामान की बड़ी बरामदगी

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल ने विभिन्न मंडलों में सघन अभियान चलाते हुए कई बड़ी कार्रवाई की है। सतर्क गश्त और निगरानी के दौरान आरपीएफ ने अवैध नकदी और प्रतिबंधित वस्तुओं से जुड़े चार प्रमुख मामलों का खुलासा किया है। वर्दवान स्टेशन पर आरपीएफ टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति से 23,68,000 रुपये की बेहिसाब नकदी बरामद की। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी और नकदी को आगे की जांच के लिए आयकर विभाग, कोलकाता को सौंप दिया गया। इसी तरह हावड़ा नॉर्थ में एक व्यक्ति के पास से 6,13,000 रुपये की नकदी बरामद हुई, जिसके बाद जीआरपी हावड़ा ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। इसके अलावा,

आरपीएफ पोस्ट हावड़ा साउथ और क्राइम इंटेलिजेंस ब्रांच (सीआईबी) के संयुक्त अभियान में 1,600 डिब्बे विदेशी सिगरेट बरामद किए गए, जिनकी कीमत लगभग 2,64,000 रुपये बताई गई है। जब्त सामान और आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए कस्टम विभाग को सौंप दिया गया। अभियान के दौरान 66 किलोग्राम बिना दस्तावेज वाले व्यावसायिक सामान भी बरामद किए गए, जिनकी कीमत करीब 23,600 रुपये आंकी गई है। इस मामले में रेलवे अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई और कर संबंधी जांच के लिए जीएसटी विभाग को भी सूचित किया गया है। पूर्व रेलवे ने कहा है कि अवैध सामान के परिवहन के खिलाफ उसकी जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी और प्रमुख स्टेशनों तथा ट्रांजिट हब पर सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया जाएगा।

राज्य में रामनवमी शोभायात्रा के लिए अदालत जाना पड़ता है, यह लोकतंत्र का दुर्भाग्य : दीपांजन चक्रवर्ती

हुगली, समाज्ञा : उत्तरपाड़ा विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार और पूर्व एनएसजी कमांडो दीपांजन चक्रवर्ती ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाना अपनी प्राथमिकता बताया है। श्रीरामपुर स्थित भाजपा के सांगठनिक कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता बदलाव का मन बना चुकी है और यह बदलाव निश्चित है। पूर्व एनएसजी कमांडो चक्रवर्ती ने कहा कि चुनौतियां उनके जीवन का हिस्सा रही हैं और वे हर चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि देश की सरहद पर सेवा देने के बाद अब राजनीतिक मैदान में भी पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में रामनवमी जैसे धार्मिक आयोजनों में बाधाएं खड़ी की जाती हैं। उनके अनुसार कई बार रामभक्तों को शोभायात्रा निकालने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ता है, जो लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं श्रीरामपुर के सांसद कल्याण बनर्जी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उनके बयान अक्सर विरोधाभासी होते हैं, इसलिए उनकी बातों को गंभीरता से लेना मुश्किल है।

अमेजन बिजनेस की 'एंड ऑफ फाइनेंशियल ईयर' सेल शुरू, एंटरप्राइज ग्राहकों को भारी छूट और कैशबैक का लाभ

कोलकाता, समाज्ञा : अमेजन बिजनेस ने वित्त वर्ष के अंत में व्यवसायों की खरीदारी को आसान बनाने के लिए अपनी 'एंड ऑफ फाइनेंशियल ईयर सेल 2026' शुरू कर दी है। इस सेल के तहत एंटरप्राइज और एमएसएमई ग्राहकों को विभिन्न कैटेगरी में आकर्षक छूट, बल्क डिस्काउंट और कैशबैक ऑफर दिए जा रहे हैं। कंपनी के अनुसार लैपटॉप और टैबलेट पर 50% तक, औद्योगिक सप्लाइज और सेफ्टी इक्विपमेंट पर 60% तक तथा ऑफिस सप्लाइज और फर्नीचर पर 70% तक की छूट उपलब्ध है। इसके अलावा, आईटी डिवाइसेज की बल्क खरीद पर 7% तक और पैकेजिंग सप्लाइज पर 24% तक अतिरिक्त छूट दी जा रही है। ग्राहकों को प्रीपेड ऑर्डर पर 9,999 रुपये तक का कैशबैक और पात्र ग्राहकों के लिए 30 दिनों का इंस्टेंट ब्याज-मुक्त क्रेडिट भी उपलब्ध है, जिसे 12 महीनों तक कम ब्याज दर पर बढ़ाया जा सकता है। अमेजन बिजनेस हर खरीद पर जीएसटी-अनुपालन इनवॉइस प्रदान करता है, जिससे कंपनियां इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा कर सकती हैं।

आईआईटी खड़गपुर और चारनोक हॉस्पिटल के बीच समझौता, रिसर्च और क्लिनिकल इनोवेशन को मिलेगा बढ़ावा

कोलकाता, समाज्ञा : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) खड़गपुर और चारनोक हॉस्पिटल के बीच गुरुवार को एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता आईआईटी खड़गपुर के निदेशक प्रो. सुमन चक्रवर्ती और चारनोक हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक प्रशांत शर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस साझेदारी का उद्देश्य अत्याधुनिक वैज्ञानिक शोध और क्लिनिकल प्रैक्टिस के बीच की दूरी को कम करना है। इसके तहत आईआईटी खड़गपुर द्वारा विकसित डायग्नोस्टिक तकनीक, डिजिटल हेल्थ-टेक और एआई आधारित समाधान का परीक्षण चारनोक हॉस्पिटल के क्लिनिकल वातावरण में किया जाएगा। साथ ही एआई, मशीन लर्निंग और ट्रांसलेशनल रिसर्च के लिए क्लिनिकल डेटा का विश्लेषण, संयुक्त शोध, प्रशिक्षण और आउटरीच कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। प्रो. सुमन चक्रवर्ती ने कहा कि यह सहयोग वैज्ञानिक शोध को व्यावहारिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, चारनोक हॉस्पिटल के एमडी प्रशांत शर्मा ने कहा कि आईआईटी खड़गपुर के साथ यह साझेदारी मरीज-केंद्रित और तकनीक आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में मददगार साबित होगी।

पीआरएस सिस्टम 28-29 मार्च की रात कुछ घंटों के लिए रहेगा बंद

कोलकाता, समाज्ञा : यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) में तकनीकी कार्य के कारण कोलकाता पीआरएस सिस्टम 28 और 29 मार्च की रात कुछ समय के लिए बंद रहेगा। रेलवे की ओर से जारी सूचना के अनुसार यह बंदी पीएनआर कंप्रेशन से जुड़े निर्धारित रखरखाव कार्य के चलते की जा रही है। जानकारी के मुताबिक 28 मार्च की रात 23:45 बजे से 29 मार्च की सुबह 04:30 बजे तक पीआरएस सेवाएं उपलब्ध नहीं रहेंगी। इस अवधि के दौरान कोलकाता पीआरएस के माध्यम से चार्टिंग, करंट बुकिंग, इंटरनेट बुकिंग तथा पूछताछ (इंक्वायरी) जैसी सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस निर्धारित समय को ध्यान में रखते हुए अपनी टिकट बुकिंग या अन्य आवश्यक कार्य पहले ही कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

बिंदुबासिनी हॉल्ट पर तीन पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव छह महीने के लिए बढ़ाया

कोलकाता, समाज्ञा : रेलवे ने मालदह मंडल के अंतर्गत बिंदुबासिनी हॉल्ट स्टेशन पर तीन पैसेंजर ट्रेनों के अस्थायी ठहराव की अवधि को छह महीने के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके तहत, 53433/53434 अजीमगंज-बरहरवा-अजीमगंज पैसेंजर ट्रेन का बिंदुबासिनी हॉल्ट स्टेशन पर ठहराव 27 मार्च 2026 से 26 सितंबर 2026 तक जारी रहेगा। इसी तरह, 63422 साहिबगंज-अजीमगंज पैसेंजर ट्रेन भी इस स्टेशन पर 21 अप्रैल 2026 से 20 अक्टूबर 2026 तक छह महीने की अवधि के लिए रुकेगी। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक यह निर्णय स्थानीय यात्रियों की मांग और सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जिससे क्षेत्र के लोगों को आने-जाने में अधिक सुविधा होगी।

पूर्व रेलवे का बड़ा स्वच्छता अभियान, तीन महीनों में 4323.78 मीट्रिक टन कचरा हटाया

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने रेलवे परिसरों और पटरियों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से व्यापक सफाई अभियान चलाकर पिछले तीन महीनों में कुल 4323.78 मीट्रिक टन कचरा हटाया है। यह अभियान दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच पूर्व रेलवे के विभिन्न मंडलों और औद्योगिक कार्यशालाओं में चलाया गया। पटरियों और स्टेशनों पर जमा कचरा न केवल स्वच्छता की दृष्टि से समस्या पैदा करता है, बल्कि यह रेलवे संचालन के लिए भी चुनौती बन सकता है। पटरियों पर जमा कचरा जल निकासी व्यवस्था को बाधित कर सकता है, जिससे बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति बन सकती है और ट्रेनों के संचालन में भी बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके अलावा, कचरे से दुर्गंध और अस्वच्छ माहौल के कारण यात्रियों के यात्रा अनुभव पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पूर्व रेलवे के सभी मंडलों और कार्यशालाओं ने इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में हावड़ा मंडल ने 377.40 मीट्रिक टन, सियालदह मंडल ने 317.00 मीट्रिक टन, आसनसोल मंडल ने 110.00 मीट्रिक टन और मालदह मंडल ने 102.00 मीट्रिक टन कचरा हटाया। वहीं, औद्योगिक कार्यशालाओं में लिलुआ वर्कशॉप से 1185.65 मीट्रिक टन, कांचरापाड़ा वर्कशॉप से 1682.29 मीट्रिक टन तथा जमालपुर वर्कशॉप से 549.44 मीट्रिक टन कचरा साफ किया गया। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर ने यात्रियों से अपील की है कि वे रेलवे को अपनी संपत्ति समझते हुए स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे परिसर में गंदगी फैलाना केवल असामाजिक व्यवहार ही नहीं, बल्कि कानूनन अपराध भी है।

अल्ट्रावायलेट ने कोलकाता में खोला दूसरा एक्सपीरियंस सेंटर

कोलकाता, समाज्ञा : इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी अल्ट्रावायलेट ऑटोमोटिव ने कोलकाता में अपना दूसरा अनुभव केंद्र 'यूवी स्पेस स्टेशन' शुरू किया है। मिंटो पार्क स्थित 225/2, ए.जे.सी. बोस रोड, कोलकाता पर खुला यह नया केंद्र कंपनी के पूर्वी भारत में विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। डीलर एम/एस केजीएन ऑटोमोबाइल्स ईवी के सहयोग से स्थापित इस अनुभव केंद्र में ग्राहक कंपनी की परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल एक्स-47 क्रॉसओवर और एफ-77एस को करीब से देख और समझ सकेंगे। यहां ग्राहकों को टेस्ट राइड, बिक्री से जुड़ी सलाह, ग्राहक सहायता और असली स्पेयर पार्ट्स की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। इस अवसर पर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सह-संस्थापक नारायण सुब्रमण्यम ने कहा कि कोलकाता कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और यहां दूसरा अनुभव केंद्र शुरू होने से पूर्वी भारत में अल्ट्रावायलेट की मौजूदगी और मजबूत होगी। नई एक्स-47 क्रॉसओवर में 40.2 हॉर्सपावर की शक्ति और 100 न्यूटन मीटर टॉर्क वाला पावरट्रेन दिया गया है, जो 0 से 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार मात्र 2.8 सेकंड में पकड़ सकता है। इसमें 10.3 किलोवाट-घंटा बैटरी के साथ एक बार चार्ज में लगभग 323 किलोमीटर तक चलने की क्षमता बताई गई है। कंपनी ने हाल ही में 'बैटरी फ्लेक्स' मॉडल भी पेश किया है, जिसके तहत ग्राहक बाइक को लगभग 1.49 लाख रुपये से खरीद सकते हैं, जबकि बैटरी के लिए 2499 रुपये प्रति माह से सदस्यता सुविधा उपलब्ध है। यह मॉडल इलेक्ट्रिक वाहनों को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में कंपनी की पहल का हिस्सा माना जा रहा है।

कोलकाता में 'फिएस्टा बाय बारबेक्यू नेशन' की एंट्री, नया आउटलेट खुला

कोलकाता, समाज्ञा : भारत की प्रमुख कैजुअल डाइनिंग चेन में शामिल बारबेक्यू नेशन ने अपने विस्तार अभियान के तहत 'फिएस्टा बाय बारबेक्यू नेशन' का कोलकाता में दूसरा आउटलेट शुरू किया है। यह नया रेस्टोरेंट खन्ना क्रॉसिंग के पास, जूडियो के ऊपर तीसरी मंजिल पर स्थित आइडियल यूनिक रेजिडेंसी, 162, अरबिंदो सरानी, कोलकाता में खोला गया है। करीब 2806 वर्ग फुट क्षेत्र में फैले इस आउटलेट में एक साथ 104 मेहमानों के बैठने की व्यवस्था है। आकर्षक और ट्रेंडी इंटीरियर के साथ यह स्थान कॉर्पोरेट लंच, पारिवारिक समारोह और ग्रुप डाइनिंग के लिए उपयुक्त माना जा रहा है। इस मौके पर बारबेक्यू नेशन हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड के रीजनल मैनेजर (ईस्ट) सुमन मुखर्जी ने कहा कि कोलकाता में विस्तार जारी रखते हुए कंपनी बेहद उत्साहित है और मेहमानों को बेहतरीन आतिथ्य और उत्कृष्ट सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है। रेस्टोरेंट में 'ईट ऑल यू कैन' बुफे की सुविधा है, जिसमें शाकाहारी और मांसाहारी व्यंजनों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है।

इस्कॉन के अखिल भारतीय आदिवासी सम्मेलन में 2,500 आदिवासी प्रतिनिधि शामिल हुए

कोलकाता, समाज्ञा : इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) द्वारा आयोजित दसवें अखिल भारतीय आदिवासी सम्मेलन में रविवार तक देश भर के आदिवासी और वंचित समुदायों के लगभग 2,500 प्रतिभागी पश्चिम बंगाल के मायापुर में एकत्रित हुए। मायापुर स्थित इस्कॉन के वैश्विक मुख्यालय में आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में कम से कम दस राज्यों - पश्चिम बंगाल, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड, असम, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, त्रिपुरा, तेलंगाना और मिजोरम के प्रतिनिधिएक मंच पर एकत्र हुए। इस्कॉन के जनसंपर्क अधिकारी, रसिक गौरांग दास ने कहा कि यह पहल चैतन्य महाप्रभु की शिक्षाओं से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य आदिवासी और वंचित समुदायों के सदस्यों को अपनी पहचान बनाए रखते हुए मुख्यधारा से जुड़ाव महसूस करने में मदद करना है। वे समाज से अलग नहीं, बल्कि इसका एक अभिन्न अंग हैं।

चैत्र नवरात्रि पर माताजी को छप्पन भोग अर्पित, भजनों से गूंजा मंदिर परिसर

हावड़ा, समाज्ञा : चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर ओसियन्स परिवार की ओर से विशेष धार्मिक आयोजन किया गया, जिसमें माताजी को छप्पन भोग अर्पित कर भजनों के माध्यम से उनकी आराधना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान के बीकानेर से भाजपा युवा मोर्चा के

सचिव देव किशन मारू तथा बनारस और सूरत से आए भाजपा पदाधिकारियों ने भी उपस्थित होकर माताजी के दर्शन किए। इसके अलावा उत्तर हावड़ा मंडल-2 के सचिव रितेश खटेड़ ने भी कुलदेवी की पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर के पुजारियों, ओसियन्स परिवार के सदस्यों और श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति गीतों और भजनों से मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा।

वाम-आइएसएफ गठबंधन में दरार, सलीम ने दी दो-टूक चेतावनी

माकपा सचिव ने कहा... 'दागी' नेताओं को साथ लेकर नहीं होगी तृणमूल के खिलाफ लड़ाई

कोलकाता : बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले वाममोर्चा और आइएसएफ (इंडियन सेक्युलर फ्रंट) के गठबंधन में दरार पड़ती दिख रही है। भांगड़ के कद्दावर नेता आराबुल इस्लाम के आइएसएफ में शामिल होने और उन्हें कैनिंग पूर्व से उम्मीदवार बनाए जाने पर माकपा ने कड़ा ऐतराज जताया है। माकपा राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि अपराधिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं को 'बगलदबा' (साथ लेकर) कर तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ वास्तविक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती। सलीम ने दो-टूक कहा कि वामपंथ इस तरह के निर्णयों का समर्थन नहीं करता और अपनी

स्थिति से आइएसएफ नेतृत्व को अवगत करा दिया गया है। मोहम्मद सलीम ने आराबुल की उम्मीदवारी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि वाममोर्चा भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता और राजनीति के अपराधीकरण के खिलाफ लड़ रहा है। ऐसे में जिस शक्ति को परास्त करने का लक्ष्य है, उसी के पुराने चेहरों को अपनाना स्वस्थ राजनीति का लक्षण नहीं है। उन्होंने आइएसएफ के जमीनी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले पंचायत चुनाव में भांगड़ में जिस हिंसा और हत्या का आरोप आराबुल पर लगा था, उसे भुलाया नहीं जा सकता। गौरतलब है कि पिछले चुनावों में भी हुगली की जंगीपाड़ा सीट पर इसी तरह के विवाद के कारण स्थानीय वाम कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रचार से दूरी बना ली थी। सलीम के इस सख्त रुख ने साफ कर दिया है कि वे नीतिगत मुद्दों पर कोई समझौता करने के मूड में नहीं हैं। इसी बीच, वाम मोर्चे ने सात और सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है, जो सभी माकपा के चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे।

वीवो ने वाई21 5जी और वाई11 5जी स्मार्टफोन किए लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा : वीवो इंडिया ने अपनी वाई सीरीज का विस्तार करते हुए दो नए 5जी स्मार्टफोन वीवो वाई21 5जी और वीवो वाई11 5जी लॉन्च किए हैं। कंपनी के अनुसार इन डिवाइसों को लंबे समय तक चलने वाली बैटरी, मजबूत निर्माण और स्मूद प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। दोनों स्मार्टफोन में 6500 एमएएच की बड़ी बैटरी दी गई है, जो पूरे दिन के उपयोग के लिए उपयुक्त मानी जा रही है। वीवो वाई21 5जी में 44 वॉट फास्ट चार्जिंग, जबकि वाई11 5जी में 15 वॉट चार्जिंग का सपोर्ट मिलता है। डिस्प्ले की बात करें तो दोनों फोन में 6.74 इंच एचडी+ डिस्प्ले और 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट दिया गया है। ये डिवाइस मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6300 प्रोसेसर और 5जी ड्यूल सिम सपोर्ट के साथ आते हैं। कैमरे में वाई21 5जी में 50 मेगापिक्सल और वाई11 5जी में 13 मेगापिक्सल रियर कैमरा दिया गया है। वीवो वाई21 5जी की शुरुआती कीमत 18,999 रुपये और वाई11 5जी की कीमत 14,999 रुपये से शुरू होती है। दोनों स्मार्टफोन वीवो ई-स्टोर, प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध हैं।

हावड़ा में रामनवमी पर अंजनी पुत्र सेना की भव्य शोभायात्रा, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकली यात्रा

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा में रामनवमी के पावन अवसर पर अंजनी पुत्र सेना की ओर से भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा काजीपाड़ा से शुरू होकर हावड़ा मैदान तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में रामभक्त शामिल हुए। आयोजकों ने बताया कि माननीय हाई कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए यात्रा का आयोजन किया गया है। संस्था के फाउंडर सचिव सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी शोभायात्रा निकाली जा रही है और संगठन के लगभग 500 कार्यकर्ताओं को पहचान पत्र (आई-कार्ड) जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन द्वारा रूट बदलने के सुझाव के बाद संस्था ने अदालत का रुख किया था और अदालत के आदेश के बाद ही पारंपरिक मार्ग से शोभायात्रा निकाली जा रही है। शोभायात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी शामिल हुए, जिनकी पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन से सहयोग की अपील की गई है।

इधर, हावड़ा सिटी पुलिस ने यात्रा को देखते हुए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सेंट्रल फोर्स और रैपिड एक्शन फोर्स (रैफ) की तैनाती की गई है। साथ ही पूरे इलाके पर ड्रोन कैमरों के जरिए निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। पिछले वर्षों में शोभायात्रा के दौरान हुई घटनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासन इस बार पूरी तरह सतर्क नजर आया।

हावड़ा में शांतिपूर्ण रही रामनवमी की शोभायात्राएं, पुलिस ने की प्रेस वार्ता

हावड़ा में रामनवमी के अवसर पर दो स्थानों से भव्य शोभायात्राएं निकाली गईं, जो शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुईं। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर हावड़ा सिटी पुलिस के पुलिस आयुक्त ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूरे कार्यक्रम के दौरान स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही और कहीं से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। हालांकि सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। यदि जांच में कोई व्यक्ति माहौल बिगाड़ने की कोशिश करता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विश्व हिंदू परिषद की रामनवमी के अवसर पर भव्य शोभायात्रा

हावड़ा में रामनवमी के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद की ओर से बी.ई. कॉलेज के नंबर-1 गेट के पास से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस धार्मिक यात्रा में बड़ी संख्या में रामभक्त शामिल हुए। माननीय न्यायालय के निर्देशों के तहत परिषद के पहचान पत्र (आई-कार्ड) जारी किए गए हैं। आयोजन के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचने के लिए हावड़ा सिटी पुलिस की ओर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

बासंती में भाजपा और तृणमूल समर्थकों के बीच झड़प, आठ पुलिस कर्मी घायल

मामले में आठ लोग गिरफ्तार, चुनाव आयोग ने तलब किया रिपोर्ट

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों के बीच झड़पें हुईं तथा स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास कर रहे कई पुलिस कर्मियों पर हमला भी किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि घटना के संबंध में आठ लोगों को हिरासत में लिया गया और इलाके में छापेमारी जारी है। दोनों पक्षों ने झड़प के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया, वहीं मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने पुलिस से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है। बासंती बाजार इलाके की व्यस्त सड़क पर लाठी लिए लोगों द्वारा पीछा किए जाने के दौरान हुई झड़प में एक उपनिरीक्षक और तीन-चार कार्यकर्ताओं की पिटाई की गई। अधिकारी ने बताया कि उपनिरीक्षक सौरव गुहा को सिर में चोट आई और उन्हें टांके लगे हैं। अधिकारी ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब बसंती (अनुसूचित जाति) विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार विकास सरदार 29 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के दूसरे व अंतिम चरण के लिए प्रचार कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सड़क किनारे जमा हुए तृणमूल समर्थकों द्वारा प्रचार अभियान की वीडियो रिकॉर्डिंग पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर आपत्ति जताई, जिसके बाद तनाव बढ़ गया और तीखी बहस जल्द ही हाथापाई में बदल गई। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने और व्यवस्था बहाल करने के लिए हस्तक्षेप किया। तभी स्थिति हिंसक हो गई तथा कुछ पुलिस कर्मियों पर हमला किया गया। सरदार ने आरोप लगाया कि तृणमूल के गुंडों ने हमारे कार्यकर्ताओं पर बिना किसी उकसावे के हमला किया जबकि हम इलाके में शांतिपूर्ण ढंग से प्रचार कर रहे थे। पुलिस निष्क्रिय रही। तृणमूल नेताओं ने हालांकि, भाजपा पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के संबंध में आठ लोगों को हिरासत में लिया गया है और इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है और मामले की जांच जारी है।

'राज्य में नियुक्त चार ऑब्जर्वर्स घोटाले के आरोपी', तृणमूल कांग्रेस का दावा

पार्टी ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

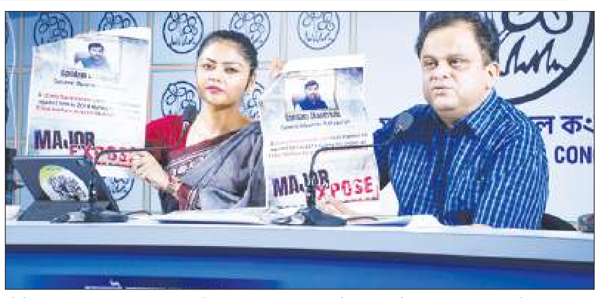

कोलकाता, समाज्ञा : चुनाव माहौल के बीच सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि राज्य में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जिन जनरल ऑब्जर्वर्स को तैनात किया गया है, उनका रिकॉर्ड दागदार है। तृणमूल कांग्रेस का दावा है कि आयोग ने 'भ्रष्टाचारियों, जमीन घोटाला करने वालों और भाजपा के वफादारों' को बंगाल में तैनात कर लोकतंत्र का मजाक उड़ाया है। तृणमूल कांग्रेस ने चार अधिकारियों के नाम और उनके पिछले रिकॉर्ड का हवाला देते हुए आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाये हैं और बताया कि धीरज कुमार (गाजोल के जनरल ऑब्जर्वर) पर आरोप है कि महाराष्ट्र के स्वास्थ्य आयुक्त रहते हुए इन पर 8,000 करोड़ रुपए के एम्बुलेंस टेंडर घोटाले के गंभीर आरोप लगे थे। अजय कटेसरिया (बनगांव दक्षिण के जनरल ऑब्जर्वर) पर आरोप है कि सतना के कलेक्टर रहते इन्होंने 40 एकड़ से अधिक सरकारी जमीन अवैध रूप से निजी पक्षों को ट्रांसफर कर दी थी। रीवा कमिश्नर की रिपोर्ट में इन्हें दोषी पाया गया और इनके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल है। गंदम चंद्रडू (बालीगंज के जनरल ऑब्जर्वर) पर आंध्रप्रदेश में जनजातीय कल्याण निदेशक के कार्यकाल के दौरान इन पर दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज होने का दावा किया गया है। अरिंदम डाकुआ (मध्यमग्राम के जनरल ऑब्जर्वर) पर टीएमसी का कहना है कि ये ओडिशा के भाजपा मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के निजी सचिव (पीएस) रह चुके हैं। पार्टी ने इसे 'सीधी राजनीतिक नियुक्ति' करार दिया है। टीएमसी ने कहा कि निर्वाचन आयोग अब भाजपा की 'रिक्रूटमेंट एजेंसी' की तरह काम कर रहा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि मालदा में पहले ही एक वरिष्ठ बिहार भाजपा नेता के पति को पुलिस ऑब्जर्वर नियुक्त किया जा चुका है। टीएमसी का सवाल है कि क्या ऐसे 'दागी' अफसर बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कर पायेंगे?

✒ चुनाव जीतने के लिए ईवीएम हैक करने की कोशिश कर रही भाजपा व चुनाव आयोग : सायोनी घोष

चुनाव में भाजपा की जीत के लिए चुनाव आयोग ईवीएम हैक करने की कोशिश कर रही है। गुरुवार को जादवपुर स्थित तृणमूल भवन में सभा को सम्बोधित करते हुए तृणमूल सांसद सायोनी घोष ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए यह बातें कही। भाजपा पर आरोप लगाते उन्होंने कहा कि जब हमें धमकाकर या एजेंसियों का इस्तेमाल करके नहीं रोका जा सका तो अब वे ईवीएम हैक करने की कोशिश कर रहीहै। साथ ही, उन्होंने पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के तबादले का भी विरोध किया। सायोनी घोष ने कहा कि चुनाव आयोग असल में भाजपा के पक्ष में काम कर रहा है। राज्य के करीब 73 रिटर्निंग ऑफिसर, जिनमें राज्य पुलिस के डीजी, एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) और कई उच्च अधिकारी शामिल हैं, रातों-रात ट्रांसफर कर दिए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के चुनाव अधिकारियों को जानबूझकर भाजपा के कहने पर हटाया जा रहा है।

भांगड़ में चिप्स फैक्ट्री में लगी आग

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ थाना अंतर्गत चंडीपुर इलाके में गुरुवार की सुबह एक चिप्स फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। इस घटना से इलाके में हलचल मच गई। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने तुरंत आग पर काबू पाया और बड़े हादसे को टालने में सफलता हासिल की। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुबह फैक्ट्री में काम पर आए श्रमिकों ने फैक्ट्री के भीतर धुआं और आग की लपटें देखीं। तुरंत भांगड़ थाने को सूचना दी गई। पुलिस के तुरंत मौके पर पहुंचने के बाद दमकल की एक गाड़ी भी आग बुझाने के लिए भेजी गई। दमकल कर्मियों की तत्परता से आग पर जल्द नियंत्रण पाया गया। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि आग की शुरुआत शॉर्ट सर्किट से हुई है। हालांकि, सटीक कारण जानने के लिए भांगड़ थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कटवा में नाव से गिरकर डूबा 11वीं का छात्र, तलाश जारी

पूर्व बर्दवान : जिले के काटवा में गुरुवार को ट्यूशन से घर लौट रहे 11वीं कक्षा का एक छात्र की नदी में डूब गया। घटना काटवा-बल्लभपाड़ा फेरीघाट पर हुई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने मल्लाह और घाट प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। छात्र की पहचान नदिया जिले के बल्लभपाड़ा निवासी आकाश साहा के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, वह गुरुवार की सुबह ट्यूशन पढ़कर रोज की तरह नाव से घर लौट रहा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नदी में गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि नदी में गिरने के बाद उसे बचाने की कोई तत्काल कोशिश नहीं की गई।

पाटुली में इमारत की छत पर झगड़े में युवक की गोली मारकर हत्या, चार गिरफ्तार

चुनाव आयोग ने घटना पर विस्तृत रिपोर्ट की तलब

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण कोलकाता के पाटुली थाना इलाके में आधी रात के बाद गोलीबारी में एक युवक की मौत हो गयी और उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि घटना के सिलसिले में एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, राहुल दे (35) पूर्वी फूलबागान इलाके में एक आवासीय भवन में रात करीब 12:30 बजे खून से लथपथ पड़ा मिला। उसका दोस्त, जीत मुखर्जी भी घायल अवस्था में उसके पास पड़ा मिला। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों को तत्काल स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां राहुल दे को पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया गया, जबकि जीत मुखर्जी को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि राहुल दे और जीत मुखर्जी समेत कई लोग इमारत की छत पर मौजूद थे और कुछ खा-पी कर रहे थे। राहुल दे को जीत मुखर्जी के फ्लैट पर आमंत्रित किया गया था और दो अन्य लोग छत पर शराब पी रहे थे। कुछ ही देर में दो दोस्तों की अन्य लोगों से कहासुनी हुई, जिसके बाद गोलियां चलायी गयीं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के नाम दीप रॉय, बिधान बनर्जी, राजा बनिक और जयंतो घोष है। ये सभी शहर के दक्षिणी बाहरी इलाकों में स्थित पास के गरिया, नाकतला, नेताजीनगर और नरेंद्रपुर क्षेत्रों के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि पड़ोसियों और उनके परिवार के अनुसार, राहुल देतृणमूल कांग्रेस से जुड़े थे, लेकिन हत्या किसी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता या व्यापारिक मुद्दों पर हुए विवाद से संबंधित नहीं थी।

फरवरी से अब तक राज्य में पांच किसानों ने आत्महत्या की : समिक भट्टाचार्य

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने गुरुवार को दावा किया कि फरवरी से अब तक राज्य में कम से कम पांच किसानों ने आत्महत्या की है। भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार आलू उत्पादकों को उनकी फसल के लिए मूल्य संकट से जूझने के लिए छोड़ रही है। भाजपा नेता ने दावा किया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में किसानों की मौत की खबरें आ रही हैं। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि किसान अपनी फसल न बेच पाने और कर्जदाताओं को कर्ज न चुका पाने के डर से आत्महत्या कर रहे हैं क्योंकि राज्य सरकार ने अन्य राज्यों को आलू भेजना बंद कर दिया है। भट्टाचार्य ने दावा किया कि फरवरी से अब तक राज्य के विभिन्न जिलों में कम से कम पांच किसानों ने आत्महत्या की है और उन्होंने इन मौतों के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार की 'लापरवाही' को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आत्महत्या करने वाले पांच किसानों का नाम लेते हुए कहा कि राज्य सरकार आलू किसानों को कोई वित्तीय सहायता नहीं दे रही है।

✒ 'बंगभूषण' कलेंद्रनाथ मांडी भाजपा में शामिल

डायन कुप्रथा के खिलाफ लंबे समय से संघर्ष करने वाले संथाल लेखक और साहित्यकार कलेंद्रनाथ मांडी ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। राज्य भाजपा के साल्टलेक स्थित कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य और पुरुलिया के सांसद तथा प्रदेश भाजपा महासचिव ज्योतिर्मय सिंह महतो की उपस्थिति में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने कहा कि राज्य में तृणमूल शासन के दौरान आदिवासी समाज विकास और अधिकारों से वंचित रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रति राज्य सरकार का रवैया अपमानजनक रहा है, जिससे आदिवासी समाज में असंतोष है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में इसका प्रभाव देखने को मिलेगा।

आलमपुर में पुल के पास मिला पुलिस वर्दी, 9 एमएम पिस्टल और कारतूस से भरा बैग

हावड़ा, समाज्ञा : चुनाव से पहले हावड़ा जिले के आलमपुर इलाके में एक पुल के पास संदिग्ध बैग मिलने से सनसनी फैल गई। घास-फूस की सफाई के दौरान स्थानीय लोगों को पुल के पास एक बैग मिला, जिसमें पुलिस की वर्दी, 9 एमएम पिस्टल, कारतूस और एक पहचान पत्र बरामद हुआ। सूचना मिलने पर सांकराइल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बैग को जब्त कर जांच शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार बैग में मिले आईडी कार्ड से पता चला कि यह पहचान पत्र पुलिस अधिकारी बिश्वजीत घोष का है, जो फिलहाल हावड़ा रूरल पुलिस में कार्यरत हैं। जानकारी के मुताबिक, वर्ष 2022 में डोमजूर थाना क्षेत्र के अंकुरहाटी में बिश्वजीत घोष का बैग खो गया था। उस समय वे एक आईपीएस अधिकारी के सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात थे। ड्यूटी के बाद घर लौटते समय उन्होंने कपड़े बदले और गलती से बैग वहीं छोड़ दिया था। बैग में वर्दी, 9 एमएम पिस्टल, कारतूस और आईडी कार्ड रखा हुआ था। बाद में, सीसीटीवी फुटेज में दो लोग मोटरसाइकिल पर बैग लेकर जाते हुए दिखाई दिए थे, जिसके बाद डोमजूर थाने में चोरी का मामला दर्ज किया गया और बिश्वजीत घोष के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू की गई थी। करीब चार साल बाद बैग के अचानक बरामद होने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि बैग यहां कैसे पहुंचा और इसे यहां किसने छोड़ा। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि बैग ले जाने वाले लोगों ने इस दौरान किसी आपराधिक गतिविधि में इन हथियारों का इस्तेमाल तो नहीं किया।

फ्लश बाट वेलडिंग जॉयंट की यूएसएफडी परीक्षण

ई-निविदा सूचना सं. GMW-USFD-022026-MLG तारीखः 24-03-2026। नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदा आमंत्रित किया गया है: **कार्य का नामः** पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के न्यू बंगाईगाँव स्थित फ्लश बाट वेलडिंग प्लांट में फेज्ड अरे अल्ट्रासोनिक वेल्ड टेस्टर द्वारा (पीएयूटी) फ्लश बाट वेलडिंग जायंट की यूएसएफडी परीक्षण। **अनुमानित निविदा राशिः** ₹1,63,27,500/-। **धरोहर राशिः** ₹3,26,600/-। **निविदा दस्तावेज प्राप्त किया जाएगाः 23-04-2026 को 15:00 बजे तक एवं खुलेगीः 23-04-2026 को 15:00** बजे में। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा प्रपत्रों के साथ विस्तृत विवरण **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

महाप्रबंधक (डब्ल्यू), मालीगाँव
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में

पश्चिम मध्य रेल

सं. ईएल/50/एनआईटी/86 (2025-26)
दिनांक - 24.03.2026

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैः- **निविदा संख्याः** ईएल/50/308 आर/2025-26, **कार्य का नामः** कोटा डिवीजनः ट्रैक मशीन साइडिंग का सुविधाओं सहित प्रावधान (11 स्टेशन - JHW, RDT, ALNI, LKE, URML, SNAR, THEA, MLGH, PSLI, MXL, FSP), KOTA-COR सेक्शन - बूंदी और मांडलगढ़ स्टेशन पर टीटीएम साइडिंग का सुधार और टीटीएम विश्राम गृह का उन्नयन/नवीनीकरण, शामगढ़ स्टेशन पर प्रतिस्थापन आधार पर सीएमआई, टीआई, एआरएमई और यूएसएफडी आदि के लिए नए कार्यालय भवन का प्रावधान और शामगढ़ और विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन पर प्रतिस्थापन आधार पर नए ट्रेड यूनियन कार्यालय का प्रावधान और चौमहला, विक्रमगढ़ आलोट में अधीनस्थ विश्राम गृह शामगढ़ और टीटीएम विश्राम गृह का प्रावधान और एडीईएन/शामगढ़ के अधीन महिदपुर में एसआरएच/टीटीएम विश्राम गृह का सुधार/मरम्मत, **अनुमानित लागत (₹में):** ₹ 1,12,46,340.61, **बयाना राशि (₹में):** ₹ 2,24,900/-, **कार्य समाप्ति अवधिः** 06 माह, **निविदा प्रस्तुत करने एवं खुलने की दिनांक तथा समयः** 17.04.2026 को 15:00 बजे तक एवं खुलने का समय 15:15 बजे। **नोटः** ऑफर केवल ई-टेण्डरिंग के माध्यम से वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर स्वीकार किए जायेंगे। निविदा दाता के पास क्लास III डिजिटल सिग्नेचर सार्टिफिकेट होना चाहिए एवं आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर रजिस्टर्ड होना चाहिए। कोई भी निविदा मैनुअली स्वीकार नहीं है। निविदा डालने से पहले टेण्डर दस्तावेजों की स्पेशल कण्डीशन्स एवं शर्तें अवश्य पढ़ लें। **(हस्ता.)**

वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य)
पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, पहली मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता -700014 (नीलामी संचालन अधिकारी) द्वारा सियालदह मंडल के तहत विभिन्न स्टेशनों पर पार्किंग लॉट के परिचालन के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसके लिए **www.ireps.gov.in** पर ई-ऑक्शन कैटलॉग प्रकाशित किया गया है।

ऑक्शन कैटलॉग सं. पार्क-अप्रैल-26-1

क्रम सं., आईआरईपीएस लॉट सं. और पार्किंग लॉट का स्थान निम्नानुसार हैं: **एए/1,** पार्किंग-एसडीएएच-केवाईआई-टीडब्ल्यू-386-26-1, कल्याणी। **एए/2,** पार्किंग-एसडीएएच-एमबीबी-टीडब्ल्यू-373-26-1, मुर्शिदाबाद। **एए/3,** पार्किंग-एसडीएएच-केवाईआई-टीडब्ल्यू-245-26-2, कल्याणी। **एए/4,** पार्किंग-एसडीएएच-एमआईजे-टीडब्ल्यू-265-26-1, माझदिया। **एए/5,** पार्किंग-एसडीएएच-आईपी-टीडब्ल्यू-87-25-1, इच्छापुर। **एए/6,** पार्किंग-एसडीएएच-एनबीई-टीडब्ल्यू-152-25-1, न्यू बैरकपुर। **एए/7,** पार्किंग-एसडीएएच-एसईपी-टीडब्ल्यू-47-25-1, सोदपुर। **एए/8,** पार्किंग-एसडीएएच-बीजीएल-टीडब्ल्यू-372-26-1, बगुला। **एए/9,** पार्किंग-एसडीएएच-एजी-टीडब्ल्यू-4-26-1, आंड्घाटा। **एए/10,** पार्किंग-एसडीएएच-आईपी-टीडब्ल्यू-88-25-1, इच्छापुर। **एए/11,** पार्किंग-एसडीएएच-सीक्यूआर-टीडब्ल्यू-64-26-1, चंपापुकुर। **नीलामी शुरूः** 02.04.2026 को 13.00 बजे।

ऑक्शन कैटलॉग सं. पार्क-अप्रैल-26-2

क्रम सं., आईआरईपीएस लॉट सं. और पार्किंग लॉट का स्थान निम्नानुसार हैं: **एए/1,** पार्किंग-एसडीएएच-एमपीआरडी-टीडब्ल्यू-389-26-1, मथुरापुर रोड। **एए/2,** पार्किंग-एसडीएएच-केआरपी-एमएक्स-388-26-1, कृष्णपुर। **नीलामी शुरूः** 06.04.2026 को 10.00 बजे।

प्रत्याशित बोलीदाताओं को विस्तृत विवरण के लिए आईआरईपीएस ई-ऑक्शन मॉड्युल देखने की सलाह दी जाती है।

SDAH-447/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पश्चिम रेलवे के तहत नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

दक्षिण पश्चिम रेलवे के तहत व्हाइटफील्ड यार्ड फेज I चालू करने तथा यार्ड सुधार कार्य (बेंगलुरु कैण्ट. एवं व्हाइटफील्ड स्टेशनों के बीच चार लाइनों से संबंधित कार्य) के लिए, **दिनांक 24/25.05.2026 से 02/03.06.2026 तक 10 दिनों के लिए प्री नॉन-इंटरलॉकिंग से पूर्व के कार्य, दिनांक 03/04.06.2026 से 04/05.07.2026 तक 32 दिनों के लिए प्री नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य तथा दिनांक 06.07.2026 से 08.07.2026 तक 3 दिनों के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग** कार्य संपादित किया जाएगा। फलस्वरूप, नीचे उल्लेखित ट्रेनें निम्नानुसार नियंत्रित की जाएंगीः-

● **ट्रेनों का पुनर्निर्धारणः (1) 22501** एसएमवीटी बेंगलुरु-न्यू तिनसुकिया सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 02.06.2026) 30 मिनटों के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी। **(2) 22501** एसएमवीटी बेंगलुरु-न्यू तिनसुकिया सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 09.06.2026) 90 मिनटों के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी। **(3) 13434** मालदा टाउन-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 21.06.2026) 90 मिनटों के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी। **(4) 13434** मालदा टाउन-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 05.07.2026) 60 मिनटों के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी।

● **ट्रेनों का मार्ग परिवर्तनः (1) 12509** एसएमवीटी बेंगलुरु-गुवाहाटी सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 04, 05, 10, 11, 12.06.2026 एवं 03.07.2026) परिवर्तित मार्ग एसएमवीटी बेंगलुरु-ब्यैयप्पनहल्ली-चन्नसन्द्रा-यलहंका-धर्मवरम जंक्शन-डोन जंक्शन-गुंटूर जंक्शन-विजयवाड़ा जंक्शन होकर चलेगी एवं मार्ग में कृष्णराजपुरम, बंगारपेट जंक्शन, जोलारपेट्टै जंक्शन, कटपडी जंक्शन, अरक्कोणम जंक्शन, पेरम्बूर एवं ओंगोल स्टेशनों में नहीं ठहरेगी। **(2) 05951** एसएमवीटी बेंगलुरु-न्यू तिनसुकिया स्पेशल (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 08.06.2026) परिवर्तित मार्ग एसएमवीटी बेंगलुरु-यलहंका-धर्मवरम जंक्शन-डोन जंक्शन-गुंटूर जंक्शन-विजयवाड़ा जंक्शन होकर चलेगी एवं मार्ग में कृष्णराजपुरम, व्हाइटफील्ड, बंगारपेट जंक्शन, जोलारपेट्टै जंक्शन, कटपडी जंक्शन, पेरम्बूर, गुडूर जंक्शन, नेल्लौर एवं ओंगोल स्टेशनों में नहीं ठहरेगी। **(3) 15227** एसएमवीटी बेंगलुरु-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 11.06.2026) परिवर्तित मार्ग एसएमवीटी बेंगलुरु-यलहंका-धर्मवरम जंक्शन-डोने जंक्शन-गुंटूर जंक्शन-विजयवाड़ा जंक्शन होकर चलेगी एवं मार्ग में कृष्णराजपुरम, बंगारपेट जंक्शन, जोलारपेट्टै जंक्शन, कटपडी जंक्शन, अरक्कोणम जंक्शन एवं पेरम्बूर स्टेशनों में नहीं ठहरेगी। **(4) 12510** गुवाहाटी-एसएमवीटी बेंगलुरु सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 05.07.2026) परिवर्तित मार्ग विजयवाड़ा जंक्शन-गुंटूर जंक्शन-डोन जंक्शन-धर्मवरम जंक्शन-यलहंका-चन्नसन्द्रा-ब्यैयप्पनहल्ली-एसएमवीटी बेंगलुरु होकर चलेगी एवं मार्ग में पेरम्बूर, अरक्कोणम जंक्शन, कटपडी जंक्शन, जोलारपेट्टै जंक्शन, बंगारपेट जंक्शन एवं कृष्णराजपुरम स्टेशनों में नहीं ठहरेगी।

● **ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्थाः (1) 13434** मालदा टाउन-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 24.05.2026) मार्ग में 30 मिनटों के लिए नियंत्रित की जाएगी। **(2) 22501** एसएमवीटी बेंगलुरु-न्यू तिनसुकिया सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 23.06.2026) मार्ग में 15 मिनटों के लिए नियंत्रित की जाएगी। असुविधा के लिए खेद है।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारियों की पुनर्नियुक्ति

रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2024/ई(जीआर)I/38/1 और 2024/एनएफआर/ऑफिसर'स/री-एंगेजमेंट/001 दिनांक 29.08.2024 और 08.11.2024 के संदर्भ में मिसलेनियस कैडर के पीएस विभाग के इच्छुक एवं आग्रही सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। रिक्ति का विवरण इस प्रकार है:

विभाग	पद का नाम	रिक्ति की संख्या	आवेदक की पात्रता
1	2	3	4
मिसलेनियस कैडर का पीएस विभाग	कंसल्टेंट (पीएस. ग्रेड I)	एक (01) ग्रुप बी (एल 8 एवं 9)	मिसलेनियस कैडर के पीएस विभाग में सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी ग्रुप बी (एल-8 एवं 9) और एसटीएस (एल-11)

चिह्नित पद के लिए कर्तव्य सूची के साथ विस्तृत अधिसूचना और निर्धारित प्रारूप निम्नलिखित वेबसाइटः **www.er.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है।

प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

हावड़ा मंडल के तहत विकास संबंधी कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

हावड़ा मंडल के हावड़ा-बैण्डेल खंड में रिसड़ा स्टेशन सीमा पर लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 03 (किमी 16/1-3) पर सीमित ऊंचाई के सबवे के कार्य के संबंध में, दिनांक 28.03.26 को 22.40 बजे से 29.03.26 को 06.50 बजे तक अप और रिवर्सिबल लाइनों पर एवं दिनांक 28.03.26 को 22.40 बजे से 29.03.26 को 03.55 बजे तक डाउन लाइन पर **ट्रैफिक और पावर ब्लॉक** की आवश्यकता होगी। इसके परिणामस्वरूप, निम्नलिखित ट्रेनों को निम्नानुसार नियंत्रित किया जाएगा: ● **अप ईएमयू का निरस्तीकरण (यात्रा शुरू दिनांक 28.03.26): हावड़ा-बैण्डेलः** 37283, 37285, 37287, 37289, 37291, **हावड़ा-तारकेश्वरः** 37347, 37349, 37351, **हावड़ा-बर्द्धमानः** 37857 ● **डाउन ईएमयू का निरस्तीकरण (यात्रा शुरू दिनांक 28.03.26) : बैण्डेल-हावड़ाः** 37286, 37288, 37290, **तारकेश्वर-हावड़ाः** 37358, **गोघाट-हावड़ा :** 37382, 37384, **बर्द्धमान-हावड़ाः** 37854 ● **एमईएमयू का निरस्तीकरण (यात्रा शुरू दिनांक 28.03.26) : बर्द्धमान-हावड़ा :** 63502 ● **पैसेंजर का निरस्तीकरण (यात्रा शुरू दिनांक 28.03.26) : हावड़ा से:** 53001, **आजिमगंज से :** 53002 ● **अप ईएमयू का निरस्तीकरण (यात्रा शुरू दिनांक 29.03.26): हावड़ा-बैण्डेलः** 37211, 37213, **हावड़ा-गोघाटः** 37371, 37373, **हावड़ा-तारकेश्वरः** 37311,37313, 37315, **हावड़ा-बर्द्धमानः** 37811, 37813, 37815, **हावड़ा-कटवाः** 37911 ● **डाउन ईएमयू का निरस्तीकरण (यात्रा शुरू दिनांक 29.03.26) : बैण्डेल-हावड़ाः** 37212, 37214, 37216, 37218, **तारकेश्वर-हावड़ाः** 37212, 37314, 37316, 37318, 37320, **बर्द्धमान-हावड़ाः** 37812, 37814, 37816, **कटवा-हावड़ाः** 37912 ● **एमईएमयू का निरस्तीकरण (यात्रा शुरू दिनांक 29.03.26) : हावड़ा-बर्द्धमान (यात्रा शुरू दिनांक 29.03.26) :** 63501 ● **पैसेंजर का निरस्तीकरण (यात्रा शुरू दिनांक 29.03.26) : आजिमगंज से :** 53012, **कटवा से :** 53009 ● **ट्रेनों का मार्ग परिवर्तनः (यात्रा शुरू दिनांक 28.03.26):** 13027 हावड़ा-आजिमगंज कविगुरु एक्सप्रेस और 13029 हावड़ा-मोकामा एक्सप्रेस डानकुनी और कामारकुंडु में ठहराव के साथ हावड़ा-बर्द्धमान कॉर्ड लाइन (हावड़ा-डानकुनी-बर्द्धमान) होकर मार्ग परिवर्तित करेगी। ● **ट्रेनों का पुनर्निर्धारण :** (1) 13033 हावड़ा-कटिहार एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 28.03.26) को 7 घंटे के लिए पुनर्निर्धारित किया जाएगा अर्थात दिनांक 28.03.26 को 23.35 बजे के बदले दिनांक 29.03.26 को 06.35 बजे हावड़ा से छूटेगी। (2) 13034 कटिहार-हावड़ा एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 28.03.26) को 2 घंटे के लिए पुनर्निर्धारित किया जाएगा अर्थात 15.30 बजे के बदले 17.30 बजे कटिहार से छूटेगी। (3) 13034 कटिहार-हावड़ा एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 29.03.26) को 3 घंटे 30 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित किया जाएगा अर्थात 15.30 बजे के बदले 19.00 बजे कटिहार से छूटेगी। ● **दिनांक 29.03.26 को मार्ग में मेल/एक्सप्रेस का नियंत्रणः** 1) 13017 हावड़ा-आजिमगंज गणदेवता एक्सप्रेस को 30 मिनट के लिए मार्ग में नियंत्रित किया जाएगा। 2) 22387 हावड़ा-धनबाद ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस को 20 मिनट के लिए मार्ग में नियंत्रित किया जाएगा। 3) 13024 गया-हावड़ा एक्सप्रेस को 1 घंटे 30 मिनट के लिए मार्ग में नियंत्रित किया जाएगा। 4) 13030 मोकामा-हावड़ा एक्सप्रेस को 1 घंटे 40 मिनट के लिए मार्ग में नियंत्रित किया जाएगा। 5) 13022 रक्सौल-हावड़ा एक्सप्रेस को 1 घंटे के लिए मार्ग में नियंत्रित किया जाएगा। 6) 15960 डिब्रूगढ़-हावड़ा कामरूप एक्सप्रेस को 30 मिनट के लिए मार्ग में नियंत्रित किया जाएगा।

टिप्पणी: 02 पैसेंजर स्पेशल ट्रेनें गोघाट से तारकेश्वर तक 37382 और 37384 के मार्ग पर चलेंगी और 02 पैसेंजर स्पेशल ट्रेनें तारकेश्वर से गोघाट तक 37371 और 37373 के मार्ग पर चलेंगी।

ब्लॉक के पहले अंतिम ट्रेन और ब्लॉक के बाद पहली ट्रेन

खंड	ब्लॉक के पहले अंतिम ट्रेन	ब्लॉक के बाद पहली ट्रेन
हावड़ा-बर्द्धमान (मेन)	अप 37855 हावड़ा-बर्द्धमान लोकल/ डाउन 37852 बर्द्धमान-हावड़ा लोकल	अप 37817 हावड़ा-बर्द्धमान लोकल/ डाउन 37818 बर्द्धमान-हावड़ा लोकल
हावड़ा-बैण्डेल	अप 37281 हावड़ा-बैण्डेल लोकल/ डाउन 37284 बैण्डेल-हावड़ा लोकल	अप 13017 हावड़ा-आजिमगंज गणदेवता एक्सप्रेस/डाउन 37222 बैण्डेल-हावड़ा लोकल
हावड़ा-तारकेश्वर	अप 37345 हावड़ा-तारकेश्वर लोकल/ डाउन 37380 गोघाट-हावड़ा लोकल	अप 37317 हावड़ा-तारकेश्वर लोकल/ डाउन 37322 तारकेश्वर-हावड़ा लोकल
हावड़ा-गोघाट	अप 37389 हावड़ा-गोघाट लोकल/ डाउन 37380 गोघाट-हावड़ा लोकल	अप 37375 हावड़ा-गोघाट लोकल/ डाउन 37372 गोघाट-हावड़ा लोकल
हावड़ा-कटवा	डाउन 37928 कटवा-हावड़ा लोकल/ अप 15721 दीघा-न्यू जलपाईगुड़ी पहाड़िया एक्सप्रेस	डाउन 15960 डिब्रूगढ़-हावड़ा कामरूप एक्सप्रेस /अप 15643 पुरी कामाख्या एक्सप्रेस

विशेष टिप्पणी: ब्लॉक अवधि के दौरान स्पेशल या देर से चलने वाली ट्रेनें और कोई भी नई शुरू की गई ट्रेन/पार्सल ट्रेन/टीओडी, यदि कोई हो, मार्ग में सुविधानुसार नियंत्रित की जाएंगी/परिवर्तित मार्ग पर चलाई जाएंगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशनों की जनसंबोधन प्रणाली का पालन करें। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

राजस्थान के जैसलमेर में एक बेकाबू वाहन ने तीन बहनों को टक्कर मारी, एक की मौत

जैसलमेर: राजस्थान के जैसलमेर में बृहस्पतिवार को एक तेज रफ्तार वाहन ने तीन बहनों को टक्कर मार दी जिसमें एक मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस हादसे में घायल दो युवतियों एवं वाहन चालक का इलाज चल रहा है। उसने बताया कि यहां कोतवाली थानाक्षेत्र के गफूर भट्टा में बृहस्पतिवार दोपहर चालक तोगाराम वाहन लेकर शहर की ओर आ रहा था, तभी तेज रफ्तार के चलते एक 'स्पीड ब्रेकर' पर वाहन का संतुलन बिगड़ गया और उसने पैदल जा रही तीन बहनों को टक्कर मार दी। कोतवाली थाने के सहायक उपनिरीक्षक ओमाराम ने बताया कि इस हादसे में रवीना सपेरा (18) की मौत हुई है जबकि उसकी घायल बहनों--कल्पना और ममता सपेरा का इलाज चल रहा है। उपनिरीक्षक के अनुसार वाहन चालक तोगाराम खत्री (65) भी अस्पताल में भर्ती है।

झारखंड के कोडरमा में जंगली हाथी ने दो लोगों को कुचलकर मारा

कोडरमा: झारखंड के कोडरमा जिले में एक जंगली हाथी के हमले में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। एक वन अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। वन अधिकारी ने बताया कि बुधवार शाम को कोडरमा पुलिस थाना क्षेत्र के मरियमपुर में एक हाथी ने 55 वर्षीय महिला मनिया बिरहोरनी को कुचलकर मार डाला। हाथी ने एक अन्य महिला को भी घायल कर दिया है, जिसका कोडरमा सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। कोडरमा रेंज के वन अधिकारी राम बाबू ने बताया, दूसरी घटना बुधवार को देर रात करीब दो बजे उसी इलाके में हुई। बाहर सो रहे एक व्यक्ति को उसी हाथी ने कुचलकर मार डाला। मृतक की पहचान देवघर जिले के प्रवासी मजदूर बालेश्वर सोरेन के रूप में हुई है। कोडरमा के क्षेत्राधिकारी रवि भूषण ने कहा कि मृतकों के परिवारों को तत्काल राहत के रूप में 25,000 रुपये प्रति परिवार दिए गए हैं, जबकि शेष मुआवजा कुछ औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद दिया जाएगा।

'समृद्धि यात्रा' के दौरान नालंदा और पटना में 1,866 करोड़ रुपये की योजनाओं का किया गया अनावरण

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को अपनी 'समृद्धि यात्रा' के अंतिम दिन नालंदा और पटना जिलों में लगभग 1,866 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं और योजनाओं का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने दोनों जिलों में चल रही योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा भी की। मुख्यमंत्री कार्यालय में कहा गया है, मुख्यमंत्री ने नालंदा जिले में 810 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं और योजनाओं की शुरुआत की। इनमें 316 करोड़ रुपये की लागत से 110 योजनाओं का उद्घाटन तथा 494 करोड़ रुपये की लागत से 106 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री ने बिहार शरीफ-रांची मार्ग पर भरावपर में 84.81 करोड़ रुपये से निर्मित 1,620 मीटर लंबे फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने फ्लाईओवर का निरीक्षण किया और कहा कि यह बिहार शरीफ के लोगों की पुरानी मांग थी, जो अब पूरी हो गई है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कोसुक गांव में कोसुक 'रिवरफ्रंट' परियोजना स्थल का दौरा किया और पंचाने नदी पर तटबंध सुदृढ़ीकरण तथा 'रिवरफ्रंट' विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान नालंदा में जनसभा स्थल के पास एकत्र लोगों ने मुख्यमंत्री से पद नहीं छोड़ने की अपील करते हुए नारे लगाए। लोगों ने उनसे दिल्ली नहीं जाने और बिहार में बने रहने का आग्रह किया। बाद में सुरक्षा कर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित किया। इस माह के पहले सप्ताह में कुमार राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए। अब उनके जल्द ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की संभावना है, जिससे बिहार के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्यमंत्री के कार्यकाल का अंत होगा। दिन में बाद में मुख्यमंत्री ने पटना जिले में लगभग 1,056 करोड़ रुपये की लागत से 1,373 विकास योजनाओं का अनावरण किया। इनमें 473 करोड़ रुपये की 761 योजनाओं का उद्घाटन तथा 583 करोड़ रुपये की 612 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

नए बिहार के लिए नीतीश कुमार का योगदान ऐतिहासिक, बिहार सदैव ऋणी रहेगा: नितिन नवीन

पटना: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि नए बिहार के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जो योगदान दिया है, उसके लिए राज्य सदैव उनका ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने नाउम्मीदी के दौर से निकालकर बिहार को विश्वास और विकास के मार्ग से जोड़ा तथा बिहारियों के सम्मान को लौटाने का काम किया है। यहां बापू सभागार में मुख्यमंत्री की 'समृद्धि यात्रा' के जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि नीतीश कुमार ने इसके जरिए बिहार में उत्सव का माहौल बनाया है और राज्य अब विकास के इस सफर में इसी उत्सव के वातावरण में आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि एक विधायक के तौर पर उन्हें मुख्यमंत्री के नेतृत्व में काफी कुछ सीखने का अवसर मिला है।

न्यूज अपडेट

'पटना मरीन ड्राइव' बदलते बिहार की सुखद तस्वीर, देशभर से देखने आ रहें हैं लोग: सम्राट चौधरी

पटना: बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पटना में बने 'मरीन ड्राइव' (जेपी गंगा पथ) को देखने के लिए देशभर से लोग आ रहे हैं और यह बदलते बिहार की सुखद तस्वीर है। उन्होंने कहा कि दीघा से कोइलवर और मुंगेर से भागलपुर तक लगभग 125 किलोमीटर लंबा 'मरीन ड्राइव' बनाने का काम तेजी से चल रहा है तथा इसके पूरा होने के बाद पर्यटन और रोजगार को नया आयाम मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'समृद्धि यात्रा' के समापन अवसर पर यहां बापू सभागार में एक सभा को संबोधित करते हुए चौधरी ने कहा कि न्याय यात्रा, परिवर्तन यात्रा, विकास यात्रा, प्रगति यात्रा और अब समृद्धि यात्रा के माध्यम से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने बिहार में विकास की मजबूत नींव रखी है। उन्होंने कहा कि आज सम्राट अशोक की जयंती है जिन्होंने भारत को स्वर्णिम काल दिया और अखंड भारत की कल्पना को साकार किया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार ने सम्राट अशोक की विरासत को सम्मान देने के लिए बापू सभागार, ज्ञान भवन और सभ्यता द्वार को सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर का नाम दिया है। चौधरी ने कहा कि ये केवल भवन नहीं, बल्कि बिहार के गौरव के प्रतीक हैं।

एनीमिया गंभीर जनस्वास्थ्य चुनौती, महिलाओं-बच्चों पर अधिक प्रभाव: स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय

पटना: बिहार सरकार में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बृहस्पतिवार को कहा कि एनीमिया एक गंभीर जनस्वास्थ्य समस्या है, जिसका प्रभाव विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों में अधिक देखा जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस रोग के नियंत्रण और उन्मूलन के लिए लगातार प्रयास कर रही है। पांडेय ने यहां ऊर्जा ऑडिटोरियम में 'फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज फॉर एनीमिया प्रबंधन' कार्यक्रम के तहत एफसीएम (फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज) थेरेपी योजना की शुरुआत की। इस अवसर पर राज्य के सभी जिलों से चिन्हित 760 महिलाओं (प्रत्येक जिले से 20) को एफसीएम इंजेक्शन दिया गया। वर्तमान में राज्य के पास लगभग दो लाख डोज उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, 'फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज थेरेपी' गंभीर एनीमिया से पीड़ित मरीजों के लिए त्वरित, सुरक्षित और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराएगी, जिससे हीमोग्लोबिन स्तर में तेजी से सुधार संभव होगा। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से लोगों तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि मुफ्त दवा नीति के तहत आवश्यक दवाओं की सूची में समय-समय पर नई औषधियों को शामिल किया जाता है। पांडेय ने बताया कि इसी क्रम में दिसंबर 2025 में 'फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज' को इस सूची में शामिल कर इसकी आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

शाहजहांपुर जिले में तोड़ी गई प्रतिमाओं के स्थान पर लगाई गई शहीदों की नई मूर्तियां

शाहजहांपुर (उप्र): शाहजहांपुर जिले में बुलडोजर से तोड़ी गई शहीदों की प्रतिमाओं के स्थान पर नई मूर्तियों को 24 घंटे में स्थापित कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने मूर्तियों को तोड़े जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए उनके स्थान पर नयी मूर्तियां लगाने के निर्देश दिये थे। हालांकि शहीदों की प्रतिमाएं तोड़े जाने के खिलाफ प्रदर्शन का सिलसिला अभी थमा नहीं है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से स्वतंत्र एजेंसी से इस पूरे मामले की जांच करने की मांग की है। नगर आयुक्त डॉक्टर विपिन कुमार मिश्रा ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि टाउन हॉल तिराहे पर शहीद रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खान एवं पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की नयी प्रतिमाओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 24 घंटे के अंदर स्थापित कर दिया गया है।

लाइन लगाने की जरूरत नहीं, घर पहुंचेगा गैस सिलेंडर : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को राज्य की जनता को आश्वासन देते हुए कहा कि रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है, निर्धारित समय पर बुकिंग कराएं, सिलेंडर आपके घर पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी तरह आवश्यकता होने पर ही पेट्रोल-डीजल लेने जाएं। योगी आदित्यनाथ गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र (गीडा) में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''कुछ लोग अफवाहें फैला कर राज्य का माहौल खराब करना चाहते हैं। लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने कहा, 'पश्चिम एशिया युद्ध के पहले अगर किसी के घर रसोई गैस का सिलेंडर एक महीने चलता था, तो वह आज पांचवें या छठे दिन ही सिलेंडर लेने क्यों पहुंच रहा है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, 'निर्धारित समय पर ही गैस सिलेंडर की बुकिंग कराएं, आपकी बारी आने पर रसोई गैस आपके घर तक पहुंच जाएगी। सरकार ने सभी जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जैसे पहले गैस सिलेंडरों की घर पर डिलीवरी होती थी, वैसे ही अब भी होगी। इसके लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की कोई जरूरत नहीं है।' उन्होंने कहा, 'अगर हम उतावलेपन में आकर किसी अफवाह पर भरोसा करते हैं या दुष्प्रचार के चक्कर में पड़ते हैं तो हमारी राष्ट्रभक्ति पर लोग संदेह करेंगे। हमको यह सतर्कता रखनी होगी। हमें अपने राष्ट्रीय नेतृत्व पर विश्वास रखकर धन्यवाद देना चाहिए कि भारत में सब कुछ अच्छा है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ईरान और अमेरिका युद्ध से पूरी दुनिया प्रभावित है लेकिन, यह युद्ध लंबा खिंचा तो हर व्यक्ति प्रभावित होगा और इसके लिए सभी को मानसिक रूप से तैयार रहना होगा।

गंगा में विसर्जित की गयीं हरीश राणा की अस्थियां, परिवार ने जताया साथ देने वालों का आभार

गाजियाबाद (उप्र): गाजियाबाद के हरीश राणा का परिवार अपने बेटे को अंतिम विदाई देने के लिए हरिद्वार में एकत्र हुआ और बेहद भावुक माहौल में उसकी अस्थियों को गंगा में विसर्जित किया। हरीश राणा पिछले 13 साल से कोमा में थे और उनकी हालत में बिल्कुल भी सुधार न आने की वजह से उच्चतम न्यायालय में उनके परिजन की अर्जी पर उन्हें इच्छा मृत्यु की अनुमति दी थी। पंजाब विश्वविद्यालय में बीटेक के छात्र रहे 31 वर्षीय राणा का मंगलवार को निधन हो गया था। वह 2013 में एक बहुमंजिली इमारत की चौथी मंजिल की बालकनी से गिरने के बाद से कोमा में थे। राणा भारत के ऐसे पहले शख्स थे जिन्हें अदालत ने इच्छा-मृत्यु की अनुमति दी थी। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को दक्षिण दिल्ली के ग्रीन पार्क श्मशान घाट पर किया गया। राणा के परिवार के करीबी और 'राज एम्पायर सोसाइटी' के निवासी तेजस चतुर्वेदी ने बताया कि राणा के पिता अशोक राणा, उनके छोटे भाई आशीष राणा और परिवार के अन्य सदस्यों ने उनकी अस्थियां इकट्ठा कीं और फिर उन्हें विसर्जित करने के लिए हरिद्वार रवाना हो गए। अशोक राणा ने एक भावुक संदेश में ईश्वर का धन्यवाद दिया और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों न्यायमूर्ति प्रदीप नंदराजोग परदीवाला और न्यायमूर्ति विश्वनाथन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस मामले में दिए गए उनके मानवीय निर्देशों के लिए न्यायाधीशों की सराहना की। चतुर्वेदी के अनुसार हरीश के पिता ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के अधिकारियों ने परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान की। उन्होंने बताया कि हरीश के पिता ने राज्य सरकार द्वारा 10 लाख रुपये की सहायता दिए जाने की घोषणा का भी स्वागत किया।

केंद्र ने राजस्थान को वाणिज्यिक रसोई गैस का आवंटन 10 प्रतिशत बढ़ाया

जयपुर: राजस्थान सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार ने राज्य के लिए वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) का आवंटन 10 प्रतिशत बढ़ा दिया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार राज्य सरकार ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए केंद्र से अतिरिक्त एलपीजी आवंटन का आग्रह किया था। एक अधिकारी ने बताया कि इस अनुरोध के बाद वाणिज्यिक गैस का आवंटन 10 प्रतिशत बढ़ा दिया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'केंद्र सरकार ने राजस्थान के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन को मंजूरी दी है। यह वृद्धि राज्य के व्यवसायों की ऊर्जा आवश्यकताओं को सुदृढ़ करने के साथ नई गति प्रदान करेगी।' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पेट्रोलियम एवं गैस क्षेत्र में किए गए महत्वपूर्ण सुधारों और समय पर दी गई मंजूरियों के परिणामस्वरूप केंद्र सरकार से यह अतिरिक्त आपूर्ति प्राप्त हुई है। शर्मा ने कहा,'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में हमारी सरकार हर नागरिक तक आवश्यक सेवाओं की निर्बाध, पारदर्शी और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निरंतर कार्यरत है।'

समीक्षा स्पोर्ट्स

गंभीर की आक्रामक प्रतिस्पर्धा ने केकेआर को बनाया मजबूत: डु प्लेसी

नयी दिल्ली: दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी ने गौतम गंभीर की तीखी प्रतिस्पर्धात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि इसी गुण ने उन्हें कई बार कहानी का खलनायक बनाया, लेकिन यही रवैया उनकी टीमों के लिए सबसे बड़ा हथियार साबित हुआ। डु प्लेसी ने कहा कि गंभीर की इसी विशेषता ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) जैसी टीम को मजबूती दी। गंभीर की कप्तानी में केकेआर ने 2012 और 2014 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जीता, जबकि मेंटोर के रूप में उनके मार्गदर्शन में टीम 2024 में तीसरी बार चैंपियन बनी। वह अब कोच के तौर पर भारतीय टीम को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और इस साल के टी20 विश्व कप में जीत दिला चुके हैं। डु प्लेसी ने जियोहॉटस्टार से कहा, गंभीर को लेकर मेरा नजरिया उन खिलाड़ियों से अलग है, जो उनके साथ खेलते हैं। उनके खिलाफ खेलते समय वह हमेशा कहानी के खलनायक होते हैं, लेकिन आप उनका सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, गौतम गंभीर की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह बेहद प्रतिस्पर्धी हैं। उन्हें इस बात की जरा भी चिंता नहीं होती कि कोई उन्हें पसंद करता है या नहीं। एक नेतृत्वकर्ता के तौर पर उनका काम ऊंचे मानक तय करना और ड्रेसिंग रूम में जवाबदेही सुनिश्चित करना है। डु प्लेसी के मुताबिक, गंभीर किसी भी ड्रेसिंग रूम में उच्च मानक और जवाबदेही स्थापित करते हैं, जो विरोधी कप्तान के लिए भी प्रेरणा का कारण बनता है। उन्होंने कहा, कप्तान के तौर पर जब आप उनके खिलाफ खेलते हैं, तो उनके व्यक्तित्व के कारण आप उन्हें हराना चाहते हैं, लेकिन साथ ही आप इस बात का सम्मान भी करते हैं कि वह इतने ऊंचे मानक स्थापित करते हैं।

इस आईपीएल में मुझे कुछ साबित नहीं करना है: गिल

अहमदाबाद: गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2026 टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद उन्हें आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में किसी को कुछ साबित करने की आवश्यकता नहीं है। गिल टी20 विश्व कप से पहले भारत के उप-कप्तान थे, लेकिन संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में जगह देने के लिए उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। भारत ने इस बार रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीता। गिल भारत की टेस्ट और वनडे टीमों के कप्तान होने के साथ-साथ आईपीएल में गुजरात टाइटंस का नेतृत्व भी कर रहे हैं। सत्र पूर्व संवाददाता सम्मेलन में जब इस सलामी बल्लेबाज से पूछा गया कि क्या विश्व कप में नजरअंदाज किए जाने के बाद उन्हें कुछ साबित करना है, तो गिल ने कहा, पिछले तीन-चार सत्रों को देखें तो मुझे लगता है कि आईपीएल में मेरे सबसे ज्यादा रन हैं। इस सत्र में मुझे किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। पिछले चार साल में हमने टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है और मैंने एक बल्लेबाज के रूप में भी अच्छा किया है। गिल लगातार आईपीएल में रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हैं। उन्होंने पिछले सत्र में 650 रन, उससे पहले 426 रन और 2023 में 890 रन बनाए थे। उन्होंने कहा, मुझे वही करना है जो मैं पिछले चार साल से कर रहा हूं। टीम को लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अगर हम ऐसा करते रहे, तो निश्चित रूप से हम एक बार फिर ट्रॉफी जीतेंगे।

'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम कौशल के महत्व को कम कर खेल को एकतरफा बना रहा: गिल

शुभमन गिल ने आईपीएल में 'इंपैक्ट प्लेयर' नियम पर चिंता जताते हुए कहा कि यह 'खेल से कौशल और चुनौती की अहमियत को कम करता है।' इस नियम पर पहले भी भारतीय खिलाड़ियों ने आपत्ति जताई है, जिनमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या और हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल शामिल हैं। मुंबई में बुधवार को हुई आईपीएल कप्तानों की बैठक में गिल सहित अधिकांश कप्तानों ने बीसीसीआई से इस नियम की समीक्षा करने की मांग की। यह नियम 2023 में लागू किया गया था और इसे कम से कम 2027 तक बढ़ाया गया है। गिल ने कहा, मेरे व्यक्तिगत विचार से 'इंपैक्ट प्लेयर' नहीं होना चाहिए। क्रिकेट सामान्यतः 11 खिलाड़ियों का खेल है। इसमें एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज जोड़ने से खेल की वास्तविक चुनौती और खिलाड़ी की कौशल का महत्व कम हो जाता है। उन्होंने कहा, खेल में एक निश्चित कौशल होता है। अगर आपकी कुछ मुख्य बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाएं, तो टीम को अच्छी स्कोर तक पहुंचाने के लिए रणनीति और कौशल की जरूरत होती है। लेकिन इस एक अतिरिक्त खिलाड़ी से खेल का झुकाव एकतरफा हो गया है। इससे चुनौती भी कम हो गई है।

आईपीएल का दूसरे चरण 13 अप्रैल से 24 मई तक चलेगा: बीसीसीआई

नयी दिल्ली: भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बृहस्पतिवार को आईपीएल 2026 के लीग चरण का कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि टूर्नामेंट का दूसरा चरण 13 अप्रैल से 24 मई तक होगा। शुरुआती चरण 28 मार्च से 12 अप्रैल तक चलेगा और इसके कार्यक्रम पहले ही जारी कर दिये गये हैं। इसका आगाज शनिवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद की भिड़ंत से होगा। फाइनल 31 मई को बेंगलुरु में खेला जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवाजित सैकिया ने कहा, लीग चरण के दूसरे हिस्से में 50 मैच खेले जायेंगे। इसका आयोजन 13 अप्रैल से 24 मई 2026 तक भारत के 12 स्थलों पर होगा। इस चरण में मुकाबले बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, जयपुर, धर्मशाला, रायपुर और न्यू चंडीगढ़ में होंगे। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के इस अहम चरण में टीमें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी जिससे मुकाबले और अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे। दूसरे चरण का पहला मैच 13 अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा। इस चरण में आठ 'डबल-हेडर' (एक दिन में दो मुकाबले) होंगे। पंजाब किंग्स की टीम अपने घरेलू मैच न्यू चंडीगढ़ और धर्मशाला में खेलेगी, जिसमें धर्मशाला में तीन मैच होंगे। राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने चार घरेलू मुकाबले जयपुर में खेलेगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु तीन मैच बेंगलुरु और दो मैच रायपुर में खेलेगी। प्लेऑफ के लिए मैचों के स्थानों की घोषणा बाद में की जाएगी।

आईओसी की नयी नीति में ट्रांसजेंडर महिलाओं को ओलंपिक में भाग लेने की अनुमति नहीं

लुसाने (स्विट्जरलैंड): अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की बृहस्पतिवार को जारी नयी पात्रता नीति के तहत ट्रांसजेंडर महिला खिलाड़ियों को अब ओलंपिक में खिलाड़ी के तौर पर भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। यह नीति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के महिलाओं के खेलों पर कार्यकारी आदेश के अनुरूप है और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक से लागू होगी। आईओसी ने कहा, ओलंपिक खेलों या किसी अन्य ओलंपिक स्पर्धा में किसी भी महिला वर्ग की प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए पात्रता अब केवल जैविक महिलाओं तक सीमित होगी, जिसे 'एसआरवाई जीन स्क्रीनिंग' के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। वर्तमान में यह स्पष्ट नहीं है कि कितनी या कोई भी ट्रांसजेंडर महिला ओलंपिक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। पुरुष के रूप में जन्म लेने के बाद महिला बनी किसी भी खिलाड़ी ने पेरिस ओलंपिक (2024) में भाग नहीं लिया था।

गुवाहाटी में भी होगा बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला का मैच, स्वदेश में नौ वनडे खेल सकते हैं रोहित कोहली

नयी दिल्ली: भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई ने सीनियर पुरुष टीम के 2026-27 घरेलू सत्र का कार्यक्रम जारी कर दिया है, जिसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का एक टेस्ट मैच गुवाहाटी के बारसपारा स्टेडियम में भी खेला जाएगा। यह मुकाबला 11 से 15 फरवरी 2027 के बीच आयोजित होगा। इस श्रृंखला में कुल पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे, जिसकी शुरुआत 21 जनवरी से नागपुर में होगी। दूसरा टेस्ट 29 जनवरी से चेन्नई में, तीसरा गुवाहाटी में, चौथा 19 से 23 फरवरी तक रांची में और अंतिम टेस्ट 27 फरवरी से अहमदाबाद में खेला जाएगा। घरेलू सत्र में कुल पांच टेस्ट, नौ वनडे और आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल हैं। खास तौर पर वनडे मैचों पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी, क्योंकि दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा के इन मुकाबलों में खेलने की उम्मीद है। दोनों खिलाड़ी अब मुख्य रूप से वनडे प्रारूप में ही सक्रिय हैं। हालांकि, गुवाहाटी को दोबारा टेस्ट मेजबानी मिलने पर सवाल भी उठ रहे हैं, क्योंकि इस मैदान ने नवंबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच आयोजित किया था। वहीं, इस महत्वपूर्ण श्रृंखला से मुंबई और कोलकाता जैसे प्रमुख केंद्रों का बाहर रहना भी चर्चा का विषय बना हुआ है। भारत के इस घरेलू सत्र में ऑस्ट्रेलिया के अलावा वेस्टइंडीज, श्रीलंका और जिम्बाब्वे की टीमें भी दौरा करेंगी। वेस्टइंडीज का दौरा 27 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेले जाएंगे। वनडे मुकाबले तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी और न्यू चंडीगढ़ में होंगे, जबकि टी20 श्रृंखला लखनऊ, रांची, इंदौर, हैदराबाद और बेंगलुरु में आयोजित होगी। इसके बाद दिसंबर में श्रीलंका की टीम भारत आएगी।

इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी20 मैच शामिल होंगे। वनडे दिल्ली, बेंगलुरु और अहमदाबाद में खेले जाएंगे, जबकि टी20 मुकाबले राजकोट, कटक और पुणे में होंगे। जनवरी 2027 में जिम्बाब्वे की टीम तीन वनडे मैचों की श्रृंखला खेलने भारत आएगी। यह टीम 2002 के बाद पहली बार भारत में द्विपक्षीय श्रृंखला खेलेगी। उस समय भारतीय टीम के कप्तान सौरव गांगुली थे। कुल मिलाकर इस सत्र में 17 शहरों में 22 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी मुख्य आकर्षण का केंद्र होगी।

बेंगलुरुः विराट कोहली आईपीएल 2026 से पहले एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान।

बांग्लादेश के नेता की हत्या के दो आरोपियों को दिल्ली की अदालत ने 11 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा

नयी दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने बांग्लादेश के राजनीतिक कार्यकर्ता उस्मान हादी की हत्या के दो आरोपियों को 11 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया है। उस्मान हादी की दिन-दहाड़े हुई हत्या के बाद पड़ोसी देश में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क गई थी। दोनों आरोपी, बांग्लादेशी नागरिक – फैसल करीम मसूद उर्फ राहुल (37) और आलमगीर हुसैन (34) क्रमशः पटुआखाली और ढाका के रहने वाले हैं। इन्हें पश्चिम बंगाल के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने 7 और 8 मार्च की दरमियानी रात को उत्तरी 24 परगना जिले के सीमावर्ती शहर बनगांव से गिरफ्तार किया था।

ब्रिटेन की अदालत का नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के खिलाफ मामले को फिर से खोलने से इनकार

नयी दिल्ली : लंदन उच्च न्यायालय ने भारत सरकार द्वारा अपने 'नोट वर्बल' में दिए गए ''आश्वासनों की गुणवत्ता'' पर भरोसा करते हुए भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी की प्रत्यर्पण के खिलाफ मामले को फिर से खोलने की याचिका को खारिज कर दिया। 'नोट वर्बल' एक औपचारिक, बिना हस्ताक्षर वाला राजनयिक संदेश होता है जो आमतौर पर दूतावासों और विदेश मंत्रालयों के बीच सूचना, अनुरोध या विरोध व्यक्त करने के लिए उपयोग किया जाता है। पंजाब नेशनल बैंक से 13,000 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में वांछित मोदी ने भगोड़े आर्थिक अपराधी संजय भंडारी के मामले में आए फैसले के आधार पर अपने मामले को फिर से खोलने के लिए लंदन की अदालत से संपर्क किया था। भारतीय एजेंसियों द्वारा यातना दिए जाने की आशंका के मद्देनजर भंडारी के प्रत्यर्पण को रद्द कर दिया गया था।

कश्मीर के बांदीपोरा में 15 जुलाई से कुंभ मेला आयोजित करेंगे: स्वामी कालिकानंद सरस्तवती

श्रीनगर : स्वामी कालिकानंद सरस्वती ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका मठ कश्मीर में कुंभ मेले का आयोजन फिर से शुरू करेगा और इस साल जुलाई में बांदीपोरा जिले में 10 दिवसीय मेला आयोजित किया जाएगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा, हम इस साल 15 से 24 जुलाई तक बांदीपोरा जिले के शादीपोरा में कुंभ मेला आयोजित करेंगे। हमें उम्मीद है कि इस आयोजन में दो से तीन लाख श्रद्धालु भाग लेंगे। सरस्वती ने बताया कि 2016 में कश्मीर में एक दिन का कुंभ मेला आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग 35,000 लोगों ने भाग लिया था। उन्होंने कहा, उस समय के हालात की वजह से हम लंबे समय तक आयोजन नहीं कर सके। लेकिन इस बार हम 10 दिन का मेला आयोजित करेंगे। सरस्वती ने कहा कि 1941 तक कश्मीर में कुंभ मेला एक वार्षिक आयोजन हुआ करता था, लेकिन बाद में यह विभिन्न कारणों से बंद हो गया। उन्होंने यह भी बताया कि कुंभ मेले के दौरान एक सर्वधर्म सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी धर्मों के लोग भाग ले सकेंगे।

अंतरराज्यीय अवैध हथियार आपूर्ति का नेटवर्क भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

चंडीगढ़ : पंजाब पुलिस ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के दो लोगों को गिरफ्तार कर एक अंतरराज्यीय अवैध हथियार आपूर्ति गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि जालंधर में पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस शाखा ने आरोपियों के पास से 10 देसी पिस्तौल एवं 20 मैगजीन बरामद की। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विदेशी आकाओं के निर्देश पर आरोपी हथियार हासिल करने और गढ़शंकर में एक ट्रैवल एजेंट के आवास पर जबरन वसूली के लिए गोलीबारी करने की घटना में शामिल थे। प्रदेश पुलिस प्रमुख ने बताया कि सतत जांच के दौरान, उत्तर प्रदेश के इन आरोपियों की गिरफ्तारी से यह खुलासा हुआ कि वे जर्मनी और अमेरिका से सक्रिय विदेशी अपराधियों के इशारे पर काम कर रहे थे और पंजाब के आपराधिक गिरोहों को हथियारों की आपूर्ति कर रहे थे।

जम्मू: राम नवमी के अवसर पर भगवान राम के जन्मोत्सव की धूम, जम्मू में शोभायात्रा में भाग लेते श्रद्धालु।

आज पश्चिम एशिया संघर्ष पर मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को चुनाव वाले राज्यों को छोड़कर बाकी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर उनकी तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा के लिए बैठक करेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह पहली बार है जब प्रधानमंत्री पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। यह संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के साथ शुरू हुआ था। ईरान ने भी खाड़ी के अपने पड़ोसी देशों और इजराइल पर हमले कर जवाबी कार्रवाई की है। सूत्रों ने बताया, ''प्रधानमंत्री कल शाम वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये मुख्यमंत्रियों के साथ पश्चिम एशिया संघर्ष पर बातचीत करेंगे, ताकि राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की जा सके। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य 'टीम इंडिया' की भावना के साथ प्रयासों में तालमेल सुनिश्चित करना होगा।''

श्रीनगर के रघुनाथ मंदिर में 36 साल बाद राम नवमी पूजा

श्रीनगर : श्रीनगर के हब्बा कदल इलाके में स्थित रघुनाथ मंदिर बृहस्पतिवार को एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जब 36 वर्ष बाद इस सौ साल पुराने मंदिर में राम नवमी की पहली पूजा आयोजित की। इस खास अवसर पर न सिर्फ हिंदू श्रद्धालु जुटे, बल्कि उनके मुस्लिम पड़ोसी भी साथ खड़े नजर आए, जिससे माहौल भाईचारे और सौहार्द से भर उठा। हालांकि, मंदिर में अभी मरम्मत और पुनर्निर्माण का काम जारी है, फिर भी मंदिर प्रबंधन समिति ने इस ऐतिहासिक अवसर का जश्न मनाने के लिए पूजा का आयोजन किया। समिति के महासचिव सुनील कुमार ने बताया, ''36 साल बाद यहां राम नवमी की पूजा हो रही है। हममें से कुछ लोग जम्मू से आए हैं, लेकिन देश-विदेश से कई लोगों ने दान देकर

मंदिर के पुनर्निर्माण में सहयोग किया है।'' उन्होंने यह भी बताया कि निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण अभी ''मूर्ति स्थापना'' नहीं हो सकी है। कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी के सवाल पर सुनील कुमार ने कहा कि यह तब तक संभव नहीं है, जब तक कश्मीरी मुस्लिम समुदाय का सहयोग न मिले। उन्होंने कहा, ''सरकार हमें एक साल में बसाकर पुनर्वास कर सकती है, लेकिन हमारी वापसी के लिए कश्मीरी मुसलमानों का साथ जरूरी है।'' इस अवसर पर स्थानीय मुस्लिम निवासी गुलाम हसन भी मंदिर पहुंचे और उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा, ''कश्मीरी पंडित और मुसलमान भाई-भाई हैं। हम दशकों से साथ रहते आए हैं।''

भाजपा को 2024-25 में अन्य राष्ट्रीय दलों को मिलाकर मिले चंदे से 10 गुना अधिक चंदा मिला : एडीआर

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय दलों को मिलने वाले चंदे में 2024-25 में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 161 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा का हिस्सा सबसे अधिक रहा। भाजपा को इस अवधि में अन्य सभी राष्ट्रीय दलों द्वारा प्राप्त कुल चंदे से दस गुना से भी अधिक चंदा मिला। एसोसिएशन फोर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 में राष्ट्रीय दलों द्वारा घोषित 20,000 रुपये से अधिक के कुल दान 11,343 दानदाताओं से मिले जो 6,648.56 करोड़ रुपये रहे। इनमें से भाजपा को 5,522 चंदे से 6,074.01 करोड़ रुपये, जबकि कांग्रेस को 2,501 चंदे से 517.39 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। रिपोर्ट में बताया गया है कि भाजपा द्वारा घोषित चंदा कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के उसी अवधि के संयुक्त चंदे से दस गुना से अधिक था। इस बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने घोषणा की कि उसे 20,000 रुपये से अधिक का कोई चंदा प्राप्त नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रीय दलों को मिलने वाले कुल चंदे में 2023-24 की तुलना में 2024-25 में 4,104.28 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। अकेले भाजपा के चंदे में पिछले वित्त वर्ष के 2,243.94 करोड़ रुपये से 171 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

आंध्र प्रदेश: बस में आग लगने से 13 लोगों की मौत, राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने शोक जताया

रायवरम (आंध्र प्रदेश) : आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम जिले में बृहस्पतिवार को एक निजी बस की एक ट्रक से टक्कर होने के बाद उसमें आग लग जाने से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई तथा 22 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। हालांकि, जिले के पुलिस अधीक्षक वी हर्षवर्धन राजू ने पहले 14 लोगों के मारे जाने की जानकारी दी थी लेकिन बाद में मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की एक आधिकारिक विज्ञप्ति में 13 लोगों की मौत की पुष्टि की गई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे में लोगों की मौत होने पर शोक जताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम जिले में बस हादसे के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे में लोगों के मारे जाने पर दुख जताया और प्रत्येक मृतक के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दिए जाने की घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम जिले में हुआ हादसा दुखद है। अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति मैं संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजन को पीएमएनआरएफ से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।''

वंदे भारत के यात्री को दही में मिले कीड़े; रेलवे ने अनुबंध किया खत्म, 50 लाख रुपये जुर्माना लगाया

नयी दिल्ली : पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस में एक यात्री को परोसे गए पैकेटबंद दही में कीड़े मिलने के बाद रेलवे ने संबंधित विक्रेता का अनुबंध समाप्त कर दिया है और कंपनी पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। रेल मंत्रालय ने मामले को ठीक से न संभालने के लिए अपनी ही कंपनी, भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) पर भी 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। पंद्रह मार्च को, वंदे भारत ट्रेन में सवार सात यात्रियों को रात के भोजन साथ एक जाने-माने ब्रांड का पैकेटबंद दही परोसा गया। पैकेट खोलने पर यात्रियों को उसमें जीवित कीड़े नजर आए। यात्री रितेश सिंह ने तुरंत अपने 'एक्स' हैंडल पर आईआरसीटीसी, रेल मंत्री और अन्य को टैग करते हुए इस मुद्दे को उठाया। आईआरसीटीसी ने घटना-सह-कार्रवाई रिपोर्ट में पाया कि दही का पैकेट पटना से प्राप्त किया गया था, जिस पर बनाने की तिथि 9 मार्च 2026 और उपभोग की समय सीमा 7 अप्रैल 2026 अंकित थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारियों ने यात्रियों से माफी मांगी और उन्हें मेवे और कुछ मिठाई परोसी।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में छह माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर : छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में छह माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में पिछले दो दिनों में राजनांदगांव-कांकेर बॉर्डर डिवीजन के पांच सदस्यों-- एरिया कमेटी सदस्य मंगेश पोडियमी, गणेश वीके, मंगती जुर्री, हिडमे मरकाम उर्फ सुनीता और राजे तथा मिलिट्री कंपनी नंबर पांच से संबद्ध पार्टी कमेटी सदस्य स्वरूपा उसेंडी ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने बताया कि पुनर्वास के लिए आए इन माओवादी कैडरों ने कुल तीन हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है, जिसमें एक एसएलआर तथा दो .303 राइफल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उनके सामाजिक मुख्यधारा में पुनः एकीकरण तथा हथियारों की औपचारिक सुपुर्दगी आदि की कार्रवाई सभी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आयोजित की जाएगी। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी ने शेष बचे कुछ माओवादी कैडरों से हिंसा त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि जो कैडर शांतिपूर्ण और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आगे आएंगे, उन्हें पुनर्वास नीति के अंतर्गत सभी प्रकार की सहायता प्रदान की जाएगी।

'शीश महल' भ्रष्टाचार, अहंकार और जनता के साथ विश्वासघात का जीता-जागता प्रमाण: रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली : दिल्ली के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास रहे बंगले का वीडियो सार्वजनिक करने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि यह 'शीश महल' केवल एक इमारत नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार, अहंकार और जनता के साथ विश्वासघात का जीता-जागता प्रमाण है। दिल्ली के लोक निर्माण (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख केजरीवाल के मुख्यमंत्री के रूप में आधिकारिक निवास रहे बंगले का एक वीडियो 'धुरंधर 3' शीर्षक से बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए उन्हें दिल्ली का रहमान डकैत बताया। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली के मुख्यमंत्री रहने के दौरान केजरीवाल के आधिकारिक आवास रहे 6, फ्लैगस्टाफ बंगले को 'शीशमहल' कहती रही है। सिंह वीडियो में आवास की भव्य चीज़ों और उनकी कीमत की जानकारी देते हुए दिख रहे हैं। ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर में रहमान डकैत एक पाकिस्तानी गैंगस्टर है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा, अब सच को छिपाया नहीं जा सकता। जो वर्षों तक पर्दे के पीछे छुपाया गया, आज वह पूरी दिल्ली की जनता के सामने है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के लोगों को लंबे समय से 'शीश महल' की सच्चाई जानने का इंतजार था।

आपत्तिजनक प्रश्न पूछने वाले जनगणना अधिकारी को दंड का सामना करना पड़ेगा

नयी दिल्ली : जनगणना के दौरान जानबूझकर ''कोई भी आपत्तिजनक या अनुचित प्रश्न'' पूछने वाले अधिकारी को दोषी पाए जाने पर तीन साल तक की सजा हो सकती है। जनगणना आयुक्त द्वारा जारी नवीनतम परिपत्र में यह कहा गया है। सभी राज्यों को भेजे गए एक पत्र में, जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 11 के तहत निर्धारित दंडों की सूची दी है, जिसमें दोषी पाए जाने पर 1,000 रुपये के जुर्माने से लेकर तीन साल तक का कारावास या दोनों हो सकता है। इस आदेश में कहा गया है कि यदि कोई जनगणना अधिकारी जानबूझकर कोई आपत्तिजनक या अनुचित प्रश्न पूछता है या जानबूझकर कोई गलत जानकारी देता है अथवा केंद्र सरकार या राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के बिना जनगणना के दौरान प्राप्त किसी भी जानकारी का खुलासा करता है, तो उसे दोषी पाए जाने पर तीन साल तक की सजा हो सकती है। आदेश के मुताबिक, जनगणना के दौरान किसी भी कर्तव्य का पालन करते समय उचित सावधानी बरतने में लापरवाही करने वाला, किसी आदेश की अवहेलना करने वाला या किसी अन्य व्यक्ति को ऐसे किसी कर्तव्य का पालन करने में बाधा डालने वाला या अवरोध उत्पन्न करने वाला अधिकारी भी दोषी पाए जाने पर दंड का सामना करेगा।

सीआईके ने कश्मीर के तीन जिलों में छापे मारे, लश्कर-ए-तैयबा के भर्ती मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया

श्रीनगर : जम्मू कश्मीर पुलिस की 'काउंटर इंटेलिजेंस विंग' ने यूएपीए के तहत दर्ज मामले में बृहस्पतिवार को घाटी के कई स्थानों पर छापेमारी कर प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी भर्ती मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने तीन जिलों श्रीनगर, गंदेरबल और शोपियां में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया, जिसके तहत इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ। यह मॉड्यूल सीमा पार स्थित आतंकियों के आकाओं के साथ समन्वय और बांग्लादेश में स्थित नेटवर्क से साठगांठ के तहत काम कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि यूएपीए के तहत सीआईके थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 01/2026 के संबंध में श्रीनगर में एनआईए अधिनियम के तहत गठित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने तलाशी वारंट जारी किया था, जिसपर अमल करते हुए घाटी में 10 स्थान पर छापे मारे गए। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान पता चला कि यह मॉड्यूल लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी शब्बीर अहमद लोन संभाल रहा है, जो मूल रूप से मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले के कंगन क्षेत्र से है और विभिन्न उपनामों जैसे राजू और जफर सादिक का इस्तेमाल करता है। एक अधिकारी ने कहा, यह हैंडलर (आतंकियों का आका) अत्यंत कट्टर और प्रशिक्षित है और इसने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हथियार चलाने का प्रशिक्षण ('दौरा-ए-आम' और 'दौरा-ए-खास') हासिल किया है। 'दौरा-ए-आम' में, आतंकवादी संगठन के सदस्यों को 21 दिन तक छोटे हथियार और ग्रेनेड फेंकने का बुनियादी प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके बाद तीन महीने की विशेष प्रशिक्षण अवधि होती है, जिसे 'दौरा-ए-खास' कहा जाता है, जिसमें उन्हें एके राइफल, हल्की मशीन गन, रॉकेट लॉन्चर चलाना और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिकारियों ने कहा कि लोन ने 1990 के दशक के अंत में एक आतंकवादी संगठन को सहयोग प्रदान करने वाले व्यक्ति के रूप में काम किया, इसके बाद 2000 के दशक की शुरुआत में लश्कर में शामिल हो गया। अधिकारी ने कहा, इसके बाद वह बांग्लादेश सीमा के रास्ते घुसपैठ करके भारत आया और बड़े हमलों की साजिश रचने समेत आतंकवाद संबंधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा। भारत में कानूनी कार्यवाही का सामना करने के बाद वह बांग्लादेश चला गया, जहां से वह आतंकवादियों की भर्ती और नेटवर्क बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।

एमपी : छिंदवाड़ा में बस और पिकअप वाहन की टक्कर में 10 लोगों की मौत

छिंदवाड़ा (मप्र) : मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में बृहस्पतिवार को एक बस और एक पिकअप वाहन की टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना छिंदवाड़ा जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर नागपुर रोड पर सिमरिया के पास बृहस्पतिवार शाम को हुई। उन्होंने बताया कि बस एक सार्वजनिक समारोह में शामिल लोगों को लेकर लौट रही थी जिसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव भी शामिल हुए थे। उनके मुताबिक हादसे में छह पुरुषों, तीन महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई। छिंदवाड़ा के पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि घायलों की सही संख्या अभी बताना मुश्किल है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हादसे के समय बस में 40 से ज्यादा यात्री सवार थे। अधिकारियों ने सभी घायलों को एम्बुलेंस और अन्य वाहनों के माध्यम से जिला अस्पताल और अन्य अस्पताल पहुंचाया गया।

'धुरंधर 2' में रणवीर के पगड़ी पहनकर सिगरेट पीने की तस्वीरें छेड़छाड़ कर बनाई गईं: आदित्य धर

मुंबई : फिल्म निर्माता आदित्य धर ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह के किरदार के पगड़ी पहनकर धूम्रपान करते हुए जो तस्वीरें सामने आई हैं उनमें कोई ''सच्चाई'' नहीं है और ये तस्वीरें नुकसान पहुंचाने के इरादे से छेड़छाड़ कर बनाई गई हैं। धर ने यह भी चेतावनी दी कि तस्वीरों के साथ इस तरह की छेड़छाड़ से ''सख्ती से निपटा जाएगा''। निर्माता धर की फिल्म सफलता के नए कीर्तिमान गढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वह जासूसी की पृष्ठभूमि पर बनी अपनी फिल्म के दूसरे भाग 'धुरंधर: द रिवेंज' को देश और दुनिया भर के दर्शकों से मिले अपार प्यार के लिए आभारी और ऋणी हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे यह जानकारी मिली है कि कुछ लोग कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करके आधिकारिक तौर पर जारी प्रचार सामग्री में छेड़छाड़ कर गलत और भ्रामक विमर्श गढ़ने के लिए हेरफेर कर बनाए गए दृश्यों को प्रसारित कर रहे हैं।'' धर ने एक बयान में कहा, ''छेड़छाड़ कर बनाई गई ऐसी ही एक तस्वीर में हमजा/जसकीरत को पगड़ी पहने सिगरेट पीते हुए गलत तरीके से दिखाया गया है। यह पूरी तरह से गलत है और यह न तो फिल्म का हिस्सा है और न ही हमारे द्वारा जारी किसी आधिकारिक सामग्री का हिस्सा है। यह जानबूझकर किया गया गलत चित्रण है जिसका उद्देश्य लोगों को भड़काना और गड़बड़ी पैदा करना है।'' रणवीर सिंह के किरदार को पगड़ी पहने सिगरेट पीते हुए दिखाने वाली तस्वीर को लेकर फिल्म निर्माताओं और अभिनेता के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज होने के बाद फिल्मकार का यह बयान आया है। धर ने कहा कि वह इस बात को ''स्पष्ट रूप से'' कहना चाहते हैं कि वह सिख समुदाय के प्रति अत्यंत सम्मान का भाव रखते हैं।

दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रेल नेटवर्क पर सबवे का निर्माण करें: वैष्णव

नयी दिल्ली : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को सभी रेलवे जोन के अधिकारियों के साथ एक कार्यशाला आयोजित की और उन्हें निर्देश दिया कि वे आवासीय क्षेत्रों के आसपास सबवे बनाने की योजना तैयार करें ताकि लोग सुरक्षित रूप से रेल पटरियों को पार कर सकें। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, रेल मंत्रालय ने अगले पांच से छह वर्षों में देशभर में रेलवे पटरियों के आसपास के सभी आवासीय क्षेत्रों को शामिल करने की योजना बनाई है। वैष्णव ने अधिकारियों से सबवे को इस तरह से तैयार करने को कहा कि लोग इनका इस्तेमाल करने में सहज महसूस करें और बरसात के मौसम में इन सबवे में जलभराव की समस्या न हो। मंत्रालय ने बयान में कहा, ''ये सबवे उन बस्तियों के निकट बनाए जाएंगे जहां स्थानीय लोगों को अपनी दैनिक गतिविधियों के लिए अक्सर पटरियों को पार करना पड़ता है। रेलवे पटरियों को पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यह पहल की गई है।'' इसने कहा, ''मंत्रालय ने अगले पांच से छह वर्षों में देशभर में रेलवे पटरियों के आसपास के सभी बस्तियों को शामिल करने की योजना बनाई है। इसका निर्माण इस प्रकार किया जाएगा कि रेल यातायात को अवरुद्ध करने में केवल 12 घंटे लगेंगे।'' अधिकारियों ने बताया कि कई जगहों पर, रेल पटरियों के एक तरफ आवासीय क्षेत्र हैं और दूसरी तरफ खेत, स्कूल, श्मशान और दैनिक उपयोग के अन्य प्रतिष्ठान हैं। एक अधिकारी ने कहा, ''देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिदिन कई दुर्घटनाओं की खबरें आ रही हैं। इन सबवे से पटरियों को पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा। ये सबवे देश की एक बड़ी आबादी के लिए वरदान साबित होंगे।''

भूषण कुमार और विवेक अग्निहोत्री ने अपनी नयी फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' की घोषणा की

मुंबई : भूषण कुमार और विवेक रंजन अग्निहोत्री ने बृहस्पतिवार को अपनी नयी फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' की घोषणा की। कुमार और अग्निहोत्री के अनुसार, यह फिल्म पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी बुनियादी ढांचे पर भारत के लक्षित सैन्य हमलों के 'कोडनेम' से प्रेरित है। यह फिल्म लेफ्टिनेंट जनरल के.जे.एस. 'टाइनी' ढिल्लों (सेवानिवृत्त) की पुस्तक 'ऑपरेशन सिंदूर: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान' पर आधारित होगी। इस फिल्म का निर्देशन अग्निहोत्री करेंगे व निर्माण कुमार की टी-सीरीज और निर्देशक की 'आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस' द्वारा किया जाएगा। वर्ष 2025 में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। कुमार ने एक बयान में कहा, ''कुछ कहानियां चुनी नहीं जातीं, वे आपको चुनती हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' ऐसी ही एक कहानी है। जिसे ईमानदारी, साहस और जिम्मेदारी के साथ बताया जाना जरूरी है। जब कोई राष्ट्र इतने बड़े स्तर की घटनाओं से गुजरता है, तो उनका सच्चाई से दस्तावेजीकरण करना महत्वपूर्ण हो जाता है।'' निर्माता-निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने यह भी कहा, ''यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है। यह एक रहस्योद्घाटन है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए भारत ने न केवल पहलगाम आतंकी हमले का बदला लिया है और पाकिस्तान को दंडित किया है, बल्कि आधुनिक युद्ध में अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी किया है।''

पश्चिम एशिया संकट के बीच घरेलू कोयला बाजार में बढ़ रही है मांग, कीमतों पर भी दबाव

नयी दिल्ली: पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा क्षेत्र में पैदा हुए दबाव के बीच भारतीय कोयला बाजार में मांग और कीमतों में तेजी देखी जा रही है। एमजंक्शन सर्विसेज ने बृहस्पतिवार को कहा कि हालांकि कोयला और नवीकरणीय ऊर्जा के जरिये बिजली क्षेत्र में कोई दिक्कत नहीं है। टाटा स्टील और सेल के संयुक्त उद्यम एमजंक्शन के अनुसार, कोयला नीलामी के शुरुआती संकेत मांग और कीमतों में बढ़त दर्शा रहे हैं। हालांकि, यह बदलाव बहुत तीव्र न होकर एक नियंत्रित दायरे में है। एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक विनय वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि भारत के कोयला नीलामी बाजार में मांग-आपूर्ति के समीकरणों में सख्ती और कीमतों के मजबूत होने के लक्षण दिख रहे हैं, हालांकि यह रुझान अभी धीरे-धीरे बढ़ रहा है। फरवरी में कोयले की बोलियां तय कीमतों से लगभग 35 प्रतिशत अधिक रहीं। इससे पता चलता है कि खरीदार अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए बड़ी अतिरिक्त राशि देने को तैयार हैं, जो आमतौर पर बाजार में कोयले की तत्काल कमी और भारी मांग का संकेत होता है। यह दबाव कई कारणों से बढ़ रहा है, जिनमें गैस की आपूर्ति में बाधा आने से उद्योगों का कोयले की ओर झुकना और गर्मियों के लिए बिजली घरों द्वारा स्टॉक जमा करना शामिल है। साथ ही विदेशों से होने वाले आयात में दिक्कतों के कारण घरेलू कोयले पर निर्भरता बढ़ गई है। वर्मा ने कहा कि भारत इस समय विदेशी तनाव के कारण ऊर्जा क्षेत्र में दबाव झेल रहा है। इसका असर उन औद्योगिक इलाकों में दिख रहा है जहां ईंधन की कमी और सीएनजी व रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति में बाधा आ रही है।

भारत ने चीन और इंडोनेशिया से आयातित सस्ते पेपरबोर्ड मामले की जांच शुरू की

नयी दिल्ली: भारत ने चीन और इंडोनेशिया से आयातित सस्ते पेपरबोर्ड मामले की जांच शुरू की है। सस्ते आयात से घरेलू कंपनियों पर असर पड़ने की सूचना के बाद यह कदम उठाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई, व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने घरेलू उद्योग की ओर से भारतीय पेपर विनिर्माता संघ की शिकायत के बाद यह प्रक्रिया शुरू की है। उद्योग संगठन का आरोप है कि चीनी और इंडोनेशियाई कंपनियों द्वारा कम दाम पर निर्यात किए जा रहे विभिन्न स्तर वाले पेपरबोर्ड से भारतीय कंपनियों के लाभ पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। शिकायत में इन दोनों देशों से आयातित बोर्ड पर सब्सिडी दिये जाने की जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

पश्चिम एशिया संकट जारी रहा, तो उर्वरक उत्पादन 10-15 प्रतिशत घटेगा : क्रिसिल रेटिंग्स

मुंबई: पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों की वजह से भारत में यूरिया और मिश्रित उर्वरकों का सालाना घरेलू उत्पादन 10-15 प्रतिशत तक घटने की आशंका है। क्रिसिल रेटिंग्स की बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक, आनंद कुलकर्णी ने कहा, ''पश्चिम एशिया में चल रही समस्याओं से खरीफ मौसम के अहम समय पर उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट आ सकती है। एलएनजी और अमोनिया की आपूर्ति में करीब तीन महीने तक जारी रहने वाली रुकावट से घरेलू यूरिया और मिश्रित उर्वरक उत्पादन में 10-15 प्रतिशत की कमी आ सकती है।'' हालांकि, उन्होंने कहा कि उत्पादन पर पड़ने वाले इस असर को कुछ हद तक सरकार के हालिया निर्देश से कम किया जा सकेगा, जिसके तहत यूरिया बनाने वाली कंपनियों को 70 प्रतिशत गैस आवंटित की गई है।

भारतीय एयरलाइन कंपनियां इन गर्मियों में 10 प्रतिशत कम उड़ानें करेंगी संचालित

नयी दिल्ली/मुंबई: भारतीय एयरलाइन कंपनियां 29 मार्च से शुरू होने वाले ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान प्रति सप्ताह 23,000 से कुछ अधिक घरेलू उड़ानें संचालित करेंगी। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 10 प्रतिशत कम है। विमानन नियामक डीजीसीए ने नौ एयरलाइन कंपनियों के लिए 29 मार्च से 24 अक्टूबर तक चलने वाला घरेलू उड़ानों का ग्रीष्मकालीन सत्र प्रकाशित किया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को पीटीआई-भाषा से कहा कि एयरलाइंस 2026 के ग्रीष्मकालीन सत्र में पिछले साल की अवधि की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत कम उड़ानें संचालित करेंगी। बीते वर्ष ग्रीष्मकालीन सत्र में प्रति सप्ताह 25,610 उड़ानों का संचालन किया गया था। इस बार 10 प्रतिशत की कमी का मतलब है कि उड़ानों की संख्या में 2,561 की कमी आएगी। यानी कुल उड़ानें लगभग 23,049 प्रति सप्ताह होंगी। डीजी-सीए ने अपनी वेबसाइट पर 2026 के लिए एयरलाइन कंपनियों के अनुसार घरेलू ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम जारी कर किया है। लेकिन इसमें पिछले ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम या मौजूदा शीतकालीन कार्यक्रम के साथ तुलनात्मक आंकड़े और समेकित जानकारी नहीं दी गई है। इस साल ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के दौरान उड़ानें संचालित करने वाली नौ एयरलाइन... एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो, अकासा एयर, स्प-इसजेट, अलायंस एयर, फ्लाई91, स्टार एयर और इंडियावन एयर...हैं। एयरलाइन कंपनियों को 26 अक्टूबर, 2025 से 28 मार्च, 2026 तक चलने वाले मौजूदा शीतकालीन कार्यक्रम के तहत प्रति सप्ताह 26,495 उड़ानें संचालित करनी थीं। हालांकि, दिसंबर की शुरुआत में इंडिगो में परिचालन संबंधी बाधाओं का असर पड़ा और डीजीसीए ने एयरलाइन की शीतकालीन उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी।

एयरलाइन कंपनियों के सामने हैं बड़ी चुनौतियां, स्थिति सुधरने की उम्मीद: डीजीसीए प्रमुख

नयी दिल्ली: नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा है कि वह एक ओर यात्रियों के अधिकारों को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है, वहीं दूसरी ओर एयरलाइन कंपनियों के लिए कामकाज को आसान बनाने के प्रयास भी कर रहा है, ताकि वे आगे बढ़ सकें और बेहतर प्रदर्शन कर सकें। नागर विमानन महानिदेशक फैज अहमद किदवई ने कहा कि इस समय एयरलाइन कंपनियों के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं, जिनमें हवाई क्षेत्र से जुड़ी पाबंदियों के कारण लंबा मार्ग अपनाना और परिचालन लागत में बढ़ोतरी शामिल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में हालात बेहतर होंगे। डीजीसीए महानिदेशक किदवई ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष भी विमानन क्षेत्र के लिए नई मुश्किलें पैदा कर रहा है, जिसके कारण कई कंपनियों ने उस क्षेत्र के लिए अपनी सेवाएं कम कर दी हैं। उन्होंने कहा, हम केवल यात्रियों के अधिकारों पर ही ध्यान नहीं दे रहे हैं, बल्कि एयरलाइन कंपनियों के लिए नियमों और प्रक्रियाओं को सरल बनाकर उनके लिए कारोबार करना आसान बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वे आगे बढ़ सकें। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में पहले कई एयरलाइन कंपनियां बंद हो चुकी हैं, इसलिए मौजूदा कंपनियों को सहयोग देना जरूरी है।

चालकों को प्रशिक्षण देने को खुलेंगे स्कूल, पांच साल में एक करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद: गडकरी

नयी दिल्ली: सरकार उद्योग जगत के सहयोग से अगले पांच साल में 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए स्कूल खोलेगी। इस पहल से देश में एक करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी में आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता आमिर खान से बातचीत के दौरान कहा कि देश में 22 लाख चालकों की कमी है और सरकार ने 200 ड्राइविंग स्कूल खोले हैं। मंत्री ने कहा, हमने उद्योग जगत की मदद से 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। इस पहल के माध्यम से हम एक करोड़ युवाओं को रोजगार

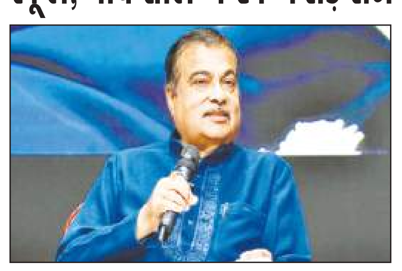

प्रदान करेंगे। सड़क सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से यह सच है कि सड़क दुर्घटनाओं की संख्या के मामले में भारत विश्व में शीर्ष पर है। देश में आज प्रति वर्ष पांच लाख से अधिक दुर्घटनाएं और उससे संबंधित 1.8 लाख लोगों की मौत होती है। गडकरी ने कहा कि लगभग 66 प्रतिशत लोग 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के हैं। इन दुर्घटनाओं के कारण भारत को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का तीन प्रतिशत का नुकसान होता है। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के पांच मुख्य कारणों का जिक्र किया। गडकरी ने कहा, ''पहला कारण सड़क डिजाइन और इंजीनियरिंग हैं। हमने कुछ खराब जगहों की पहचान की है और उन्हें ठीक करने के लिए 40,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। दुर्घटनाओं का दूसरा कारण पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन है। हमने ऐसी 350 जगहों की पहचान की है और लगभग 280 जगहों में सुधार किया गया है।'' उन्होंने बताया कि दुर्घटनाओं का एक अन्य कारण वाहन इंजीनियरिंग है। मंत्री ने कहा, 'हमारा वाहन उद्योग 23 लाख करोड़ रुपये के कारोबार के साथ विश्व में तीसरे स्थान पर है। अमेरिका 79 लाख करोड़ रुपये और चीन 49 लाख करोड़ रुपये के कारोबार के साथ क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर हैं। हमारा लक्ष्य अगले पांच साल में अपने वाहन उद्योग को विश्व में शीर्ष पर पहुंचाना है।'

स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में मजबूत वृद्धि, 2024-25 में प्रीमियम 1.2 लाख करोड़ रुपये के पार

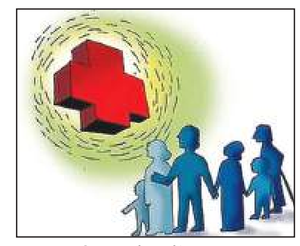

नयी दिल्ली: देश में स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसमें लगभग नौ प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गयी है। वित्त वर्ष 2024-25 में कुल स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम की राशि 1.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक रही है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह वृद्धि बढ़ती जागरूकता, स्वास्थ्य देखभाल वित्तपोषण तक बेहतर पहुंच और चिकित्सा खर्चों को लेकर वित्तीय सुरक्षा की बढ़ती मांग को दर्शाती है। बयान के अनुसार, दक्षता बढ़ाने और पॉलिसीधारकों को समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने 'कैशलेस' यानी नकद रहित स्वास्थ्य बीमा दावों के निपटान के लिए विशिष्ट समयसीमा निर्धारित की है। 'कैशलेस' निपटान के तहत पूर्व-मंजूरी को एक घंटे के भीतर और अंतिम मंजूरी को तीन घंटे के भीतर स्वीकृत करना शामिल है। बयान में कहा गया है कि इन समयसीमा का उद्देश्य देरी को कम करना और यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को समय पर चिकित्सा देखभाल मिल सके। पॉलिसीधारकों की बढ़ती उम्र, उच्च कवरेज, उन्नत सुविधाओं आदि जैसे कारकों के कारण स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में वृद्धि हुई है। बयान के अनुसार, इरडा के 2024 के नियमों में यह कहा किया गया है कि बीमा उत्पादों का मूल्य सभी प्रासंगिक जोखिम कारकों के आधार पर उचित होना चाहिए और वे व्यवहारिक और मूल्य-आधारित बने रहें। साथ ही भरोसेमंद आंकड़ों और ग्राहकों की प्रतिक्रिया का उपयोग करके समय-समय पर उनकी समीक्षा की जाए।

पश्चिम एशिया संकट: पूर्वी भारत से निर्यात प्रभावित, माल ढुलाई भाड़ा 80 प्रतिशत तक बढ़ा

कोलकाता: पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण यूरोप जाने वाले सामान की ढुलाई की लागत (भाड़ा) में 60 से 80 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे पूर्वी भारत से होने वाले निर्यात में 50 प्रतिशत तक की गिरावट आई है और कोलकाता बंदरगाह पर सैकड़ों कंटेनर फंस गए हैं। कलकत्ता कस्टम्स हाउस एजेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मन्नू चौधरी ने 'पीटीआई -भाषा' को बताया कि जहाजों के रास्ता बदलकर अफ्रीका होकर जाने के कारण भाड़े में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, युद्ध के कारण लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को मिलाकर यूरोप और अमेरिका जाने वाले सामान की कुल लागत 80 प्रतिशत तक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि पोत-परिवहन कंपनियां अब नया सामान लेने से मना कर रही हैं। इस वजह से लगभग 600 भरे हुए कंटेनर, जो जहाज पर लदने के लिए कोलकाता बंदरगाह के अंदर आ चुके थे, उन्हें वहां जगह न मिलने

के कारण वापस शहर भेजना पड़ा है। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) इंडिया के पूर्व चेयरमैन राकेश शाह ने स्थिति को गंभीर बताते हुए कहा कि भाड़े में बढ़ोतरी और कंटेनर की कमी के साथ-साथ रसोई गैस (एलपीजी) की किल्लत ने भी उत्पादन को प्रभावित किया है। एलपीजी का उपयोग इंजीनियरिंग सामान को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में किया जाता है। शाह के अनुसार, इंजीनियरिंग उद्योग को इस साल 3.5 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद थी, लेकिन अब यह पिछले साल के स्तर पर ही रहने की संभावना है।

वर्ष 11, पूर्णांक 3543 अंक 009 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in